सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 309 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, रविवार 23 अगस्त 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

77 घंटे बाद मिला ब्लू-वाटर में डूबे आदिल का शव

रायपुर। राजधानी रायपुर के नकटी गांव स्थित ब्लू वाटर खदान में डूबे आदिल खान (24) का शव करीब 77 घंटे बाद पानी की सतह पर मिला। 3 दिनों तक SDRF और NDRF की टीमें गहरे पानी में लगातार सर्च ऑपरेशन चलाती रहीं, लेकिन कामयाबी नहीं मिली। शनिवार देर रात शव खुद पानी के ऊपर आ गया। घटना के बाद से परिजन लगातार मौके पर मौजूद थे और आदिल के मिलने का इंतजार कर रहे थे। बता दें कि प्रशासन ने इंडियन नेवी से भी मदद मांगी थी। इंडियन नेवी के ईस्टर्न कमांड की विशेष टीम रविवार को रायपुर पहुंचने वाली थी। आदिल 19 अगस्त की शाम 3 दोस्तों के साथ ब्लू वाटर खदान घूमने पहुंचा था। इसी दौरान दोस्तों के बीच पानी के एक छोर से दूसरे छोर तक तैरकर जाने की शर्त लगी और आदिल और उसका एक दोस्त पानी में उतर गए। तैरते हुए आदिल धीरे-धीरे गहरे हिस्से की तरफचला गया और देखते ही देखते पानी में डूब गया।

ऑस्ट्रेलिया ने दो दिन में बांग्लादेश को दूसरा टेस्ट हराया

नईदिल्ली। ऑस्ट्रेलिया ने मैके में खेले गए दूसरे टेस्ट में बांग्लादेश को पारी और 51 रन से हरा दिया। इसके साथ ही दो टेस्ट की सीरीज 1-1 से बराबर हो गई। डार्विन में पहला टेस्ट 9 विकेट से हारने के बाद ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे मुकाबले में शानदार वापसी की। यह टेस्ट दो दिन में ही खत्म हो गया। ऑस्ट्रेलिया की जीत के हीरो मिचेल स्टार्क रहे। उन्होंने मैच में 10 विकेट लिए। स्टार्क ने पहली पारी में 6 और दूसरी पारी में 4 विकेट लिए। यह उनके टेस्ट करियर का चौथा 10 विकेट हॉल है। स्टार्क को प्लेयर ऑफ द मैच और सीरीज चुना गया। बांग्लादेश पहली पारी में सिर्फ 64 रन पर ऑलआउट हो गया था। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने 210 रन बनाए। उसे 146 रन की बढ़त मिली। दूसरी पारी में भी बांग्लादेश की टीम 95 रन पर सिमट गई।

ओडिशा के पास चीनी क्रू वाला जहाज डूबा

भुबनेश्वर। ओडिशा के पारादीप तट से करीब 240 समुद्री मील दूर बंगाल की खाड़ी में शनिवार को MV Ocean Winner नाम का एक मालवाहक जहाज डूब गया। पनामा के झंडे वाले इस जहाज पर 24 क्रू सदस्य सवार थे। दो को बचा लिया गया है, बाकी की तलाश जारी है। पीटीआई के मुताबिक, क्रू में 20 चीन के, 3 म्यांमार और एक बांग्लादेश से है। जहाज ओडिशा से लौह अयस्क लेकर सिंगापुर जा रहा था। यह शुक्रवार को ओडिशा तट से रवाना हुआ था। जहाज के डूबने की वजह अभी पता नहीं चल पाई है।हादसे की जानकारी मिलते ही इंडियन कोस्ट गार्ड और इंडियन नेवी ने क्रू सदस्यों की तलाश और बचाव अभियान शुरू कर दिया।

रुद्री बांध बना एडवेंचर डेस्टिनेशन, कयाकिंग अकादमी से बढ़ा पर्यटकों का रोमांच

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। बारिश के बाद खिली हरियाली, रुद्री बांध की विशाल जलराशि और खुशनुमा मौसम इन दिनों सैलानियों को अपनी ओर खूब आकर्षित कर रहा है। इसी बीच रुद्री बांध परिसर में शुरू हुई कयाकिंग अकादमी पर्यटकों के आकर्षण का नया केंद्र बन गई है। कयाकिंग करते पर्यटकों के वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया पर भी खूब छा रहे हैं।

बता दें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 15 अगस्त को रुद्री बांध परिसर में कयाकिंग अकादमी का शुभारंभ किया गया था। गंगरेल ब्लू एडवेंचर स्पोर्ट्स एसोसिएशन (छत्तीसगढ़) एवं कर्मा महिला स्व-सहायता समूह, रुद्री के सहयोग से शुरू हुई यह पहल जिले में साहसिक पर्यटन और जल क्रीड़ा को नई पहचान देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हो रही है।

रुद्री बांध पहुंच रहे स्थानीय लोगों और आसपास के जिलों के पर्यटक कयाक में बैठकर चप्पू चलाते हुए जलराशि के बीच रोमांच का अनुभव ले रहे हैं। शांत पानी के बीच कयाकिंग का आनंद, चारों ओर फैली हरियाली और बांध का मनोरम दृश्य पर्यटकों के अनुभव को और खास बना रहा है। परिवार के साथ पहुंचे लोग प्रकृति के बीच सुकून के पल बिता रहे हैं, वहीं युवा साहसिक जल खेल का रोमांच उठा रहे हैं।

पर्यटकों की सुविधा और सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता

रुद्री बांध में बढ़ रही पर्यटकों की संख्या को देखते हुए कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने संबंधित अधिकारियों को पर्यटकों की सुविधा, सुरक्षा और सुव्यवस्थित पर्यटन व्यवस्था सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि जल आधारित साहसिक गतिविधियों में सुरक्षा मानकों का हर हाल में पालन कराया जाए। कयाकिंग के दौरान आवश्यक सुरक्षा उपकरणों की उपलब्धता, प्रशिक्षित संचालकों की मौजूदगी तथा पर्यटकों को सुरक्षा संबंधी आवश्यक जानकारी देना सुनिश्चित किया जाए। साथ ही बांध परिसर में साफ-सफाई, पेयजल, पार्किंग, पहुंच मार्ग और अन्य आवश्यक सुविधाओं पर भी विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर ने कहा, 'रुद्री और गंगरेल क्षेत्र धमतरी जिले की महत्वपूर्ण पर्यटन पहचान हैं। यहां आने वाले प्रत्येक पर्यटक को सुरक्षित, सुविधाजनक और सुखद अनुभव मिले, यह हमारी प्राथमिकता है। कयाकिंग को बढ़ावा देते हुए सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए।

पीएम से मिले स्पेस स्टार्टअप्स के फाउंडर्स ने बताया प्लान : स्पेश पर होगा पेट्रोल पंप

■ **स्काईरूट हर महीने रॉकेट लॉन्च करेगी, कचरा हटोन वाला रोबोट व दवाइयां भी मिलेंगी**

नईदिल्ली ए.। अंतरिक्ष में पेट्रोल पंप, कचरा हटाने वाले रोबोट और हवा में तैरती दवाइयां। भारत का स्पेस सेक्टर अब फिल्मों में दिखने वाली टेक्नोलॉजी सच करने पर काम कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के 20 स्पेस स्टार्टअप्स फाउंडर्स से खास बातचीत की। पीएम ने भरोसा दिलाया कि सरकार उद्यमियों का हाथ कभी नहीं छोड़ेगी। रिस्क लेने वालों को पूरा सपोर्ट मिलेगा। ये बातचीत 21 अगस्त को की गई थी, लेकिन वीडियो 23 अगस्त को रिलीज किया गया है।

एक महीने में मिले 8 नए इंटरनेशनल कॉन्ट्रैक्ट्स

भारतीय स्टार्टअप्स ग्लोबल लेवल पर ग्राउंड स्टेशन नेटवर्क तैयार कर रहे हैं और सैटेलाइट इंजनों का एक्सपोर्ट करने के लिए तैयार हैं। यह इंजन सैटेलाइट्स को स्पेस में 5 से 15 सालों तक एक जगह से दूसरी जगह ले जाने में मदद करते हैं। कॉस्ट-इफेक्टिवनेस यानी कम लागत और टैलेंट के दम पर भारतीय कंपनियों को अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। पिछले एक महीने में ही भारतीय स्टार्टअप्स को 8 नए लॉन्च के कॉन्ट्रैक्ट्स मिले हैं, जिनमें ज्यादातर विदेशी क्लाइंट्स के हैं।

स्काईरूट ने पीएम मोदी को बताया कि 18 जुलाई को भारत के पहले प्राइवेट रॉकेट से सैटेलाइट्स को कामयाबी के साथ ऑर्बिट में स्थापित किया था। कंपनी ने अब तक 3 फैक्ट्रियां तैयार कर ली हैं, जिनमें हर महीने एक रॉकेट बनाने की क्षमता है। कंपनी की योजना हर महीने एक रॉकेट लॉन्च करने की है। इसके बाद का लक्ष्य हर हफ्ते एक और भविष्य में हर दिन कई रॉकेट लॉन्च करने का है।

जानिए क्या है प्लान

स्पेस पेट्रोल पंप: एक कंपनी डॉकिंग और रीफ्यूलिंग तकनीक विकसित कर रही है, जो अंतरिक्ष में ही सैटेलाइट्स में ईंधन भरने का काम करेगी।

कचरा हटाना: एक रोबोटिक स्पेसक्राफ्ट पर काम चल रहा है, जो स्पेस में तैरते बेकार और 'डेड' सैटेलाइट्स को पकड़कर ऑर्बिट से बाहर निकालेगा।

स्पेस फार्मा : एक स्टार्टअप ऐसे सैटेलाइट्स तैयार कर रहा है जो अंतरिक्ष की जीरो-ग्रेविटी में दवाइयां बनाएंगे और धरती पर लाएंगे।

मुंबई में 22 फीट ऊंची गणेश प्रतिमा गिरी, 2 मौतें:5 घायलों में 2 बच्चियां

■ **वेल्डिंग सपोर्ट टूटने से हादसा, मूर्ति तीन हिस्सों में बंटी**

मुंबई। गनेश प्रतिमा आगे की तरफ लोगों पर जा गिरी, जिससे कई लोग उसके नीचे दब गए। मुंबई के भुलेश्वर में शनिवार रात करीब 10 बजे 22 फीट ऊंची गणेश प्रतिमा गिरने से 2 लोगों की मौत हो गई। 5 घायल हो गए, जिनमें 5 और 7 साल की दो बच्चियां शामिल हैं।

पुलिस की शुरुआती जांच के मुताबिक, प्रतिमा लालबाग से भुलेश्वर लाई जा रही थी। पंडाल से करीब 50-60 मीटर पहले प्रतिमा के पीछे लगा वेल्डिंग सपोर्ट टूट गया। इससे मूर्ति का संतुलन बिगड़ा और वह आगे की तरफ लोगों पर गिर गई। हादसे के बाद प्रतिमा के तीन टुकड़े हो गए। फायर ब्रिगेड, पुलिस, ट्रैफिक पुलिस, 108 एंबुलेंस और BMC की टीमों ने मौके पर पहुंचकर राहत-बचाव शुरू किया। घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पतालों में पहुंचाया गया, जहां इलाज के दौरान दो लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने मामले में एक्सीडेंटल डेथ रिपोर्ट दर्ज की है।

शिकायतों के बाद गैस एजेंसी पर खाद्य विभाग का छापा, 471 सिलिंडर जब्त, रिकॉर्ड में भी खामियां

एमसीबी। जिले में एलपीजी गैस के भंडारण और वितरण में नियमों की अनदेखी के खिलाफ खाद्य विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। खाद्य विभाग की टीम ने मेसर्स सियाराम गैस एजेंसी गौरेला के गोदाम का औचक निरीक्षण किया। जांच के दौरान कई गंभीर अनियमितताएं सामने आने के बाद विभाग ने कुल 471 एलपीजी गैस सिलिंडर जब्त किए।

कार्रवाई के दौरान टीम ने 14.2 किलोग्राम क्षमता वाले 433 घरेलू गैस सिलिंडर जब्त किए। इनमें 87 खाली और 346 भरे हुए सिलिंडर शामिल हैं। इसके साथ ही 19 किलोग्राम क्षमता वाले 38 व्यावसायिक गैस सिलिंडर भी जब्त किए गए, जिनमें 36 खाली और 2 भरे हुए सिलिंडर शामिल हैं। विभाग ने यह कार्रवाई द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस (प्रदाय और वितरण विनियम) आदेश 2000 के प्रावधानों के तहत की है। निरीक्षण के दौरान एजेंसी के गोदाम में निर्धारित व्यवस्थाओं का पालन नहीं होना भी सामने आया। विभाग के अनुसार एजेंसी में मुख्य बोर्ड और स्टॉक बोर्ड प्रदर्शित नहीं किए गए थे। इसके अलावा आवक-जावक पंजी तथा स्टॉक पंजी का संधारण नहीं किया जा रहा था। विभाग ने इन सभी अनियमितताओं को गंभीरता से लेते हुए सिलिंडरों की जब्ती की कार्रवाई की।

भिलाई के पूर्व पार्षद मोहम्मद सलमान को हाईकोर्ट से झटका

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। हाई कोर्ट ने भिलाई नगर निगम के वार्ड क्रमांक 35 शारदा पारा से निर्वाचित पार्षद मोहम्मद सलमान की बर्खास्तगी पर मुहर लगा दी है। फर्जी जाति प्रमाण पत्र के आधार पर चुनाव लड़ने के आरोपों के मामले में हाई कोर्ट की डिवीजन बेंच ने उनकी रिट अपील खारिज कर दी।

कोर्ट ने माना कि दुर्ग संभागायुक्त ने पार्षद की अयोग्यता के संबंध में अपने अधिकार क्षेत्र के भीतर कार्रवाई की थी। एकलपीठ के फैसले में भी कोई त्रुटि नहीं पाई गई। मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा और न्यायमूर्ति रविन्द्र कुमार अग्रवाल की युगलपीठ ने यह निर्णय सुनवाई के दौरान लिया। वर्ष 2021 में वार्ड क्रमांक 35 शारदा पारा अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए आरक्षित था।

बंगलुरू के लिए एक और सीधी ट्रेन : 26 अगस्त से नियमित चलेगी बिलासपुर-यलहंका साप्ताहिक

रायपुर। बिलासपुर से यलहंका (बेंगलुरु) के बीच चल रही साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन को अब नियमित कर दिया गया है। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों की सुविधा को देखते हुए यह फैसला लिया है। पहले यह ट्रेन ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान स्पेशल ट्रेन के रूप में चलाई जा रही थी। अब गाड़ी संख्या 18261 बिलासपुर-यलहंका साप्ताहिक ट्रेन 26 अगस्त से हर बुधवार बिलासपुर से रवाना होगी। वहीं गाड़ी संख्या 18262 यलहंका-बिलासपुर ट्रेन 27 अगस्त से हर गुरुवार यलहंका से चलेगी।

गाड़ी संख्या 18261 बिलासपुर से प्रत्येक बुधवार को दोपहर 2 बजे रवाना होगी। यह भाटापारा, रायपुर, दुर्ग, राजनांदगांव, डोंगरगढ़ और गोंदिया होते हुए दक्षिण भारत के प्रमुख स्टेशनों से गुजरेगी। ट्रेन दूसरे दिन सिकंदराबाद, रायचूर, गुंटकल, अनंतपुर, धर्मवरम और हिंदूपुर होते हुए शाम 7 बजे यलहंका स्टेशन पहुंचेगी। रेलवे प्रशासन का मानना है कि स्पेशल ट्रेन को नियमित किए जाने से छत्तीसगढ़ से बेंगलुरु और दक्षिण भारत की ओर यात्रा करने वाले यात्रियों को बड़ी सुविधा मिलेगी।

बिलासपुर से चलने वाली यह ट्रेन भाटापारा दोपहर 2.40 बजे, रायपुर दोपहर 3.35 बजे, दुर्ग शाम 4.25 बजे, राजनांदगांव शाम 4.49 बजे, डोंगरगढ़ शाम 5.12 बजे व गोंदिया शाम 6.15 बजे पहुंचेगी। इसके बाद ट्रेन वडसा, चांदाफोर्ट, बल्लारशाह, सिरपुर कागजनगर, मंचिर्याल, काजीपेट, चर्लपल्ली और सिकंदराबाद सहित कई स्टेशनों से होकर यलहंका पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी संख्या 18262 27 अगस्त से प्रत्येक गुरुवार रात 9.30 बजे यलहंका से रवाना होगी। यह हिंदूपुर, धर्मवरम, अनंतपुर, गुंटकल, रायचूर, सिकंदराबाद और बल्लारशाह होते हुए छत्तीसगढ़ पहुंचेगी।

संपादकीय

शोर से परेशानी

शोर और पटना हाईकोर्ट का आदेश

फरवरी 2025 में सुरेंद्र प्रसाद बनाम बिहार राज्य मामले की सुनवाई के दौरान, पटना हाईकोर्ट ने माना कि पटना में डीजे ट्रॉली और लाउडस्पीकर शोर का एक बड़ा कारण हैं। इस समस्या को रोकने में नाकाम रहने के लिए बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (बीएसपीसीबी) की आलोचना करने के बाद, न्यायमूर्ति राजीव रॉय ने बीएसपीसीबी को निर्देश दिया कि वह पुलिस से इस शोर का कारक बनने वाले ऑपरेटरों को दी गई मंजूरी और उनपर की गई कार्रवाई के बारे में रिपोर्ट हासिल करे। अक्टूबर में पुलिस ने बताया कि उन्होंने पटना, बाढ़ और फतुहा में तीन महीनों के दौरान उपकरण जब्त किए, जुर्माना लगाया और अन्य कार्रवाई की, लेकिन मसौढ़ी में कोई कार्रवाई नहीं की। न्यायमूर्ति रॉय ने इस स्थिति को अविश्वसनीय बताया क्योंकि इससे यह संकेत मिलता है कि वहां शोर से जुड़े नियमों का कोई उल्लंघन नहीं हुआ था। इन सुनवाइयों के दौरान, न्यायमूर्ति रॉय ने पुलिस अधिकारियों को भी तलब किया और घिसे-पिटे हलफनामों (बॉयलरप्लेट एफिडेविट) के लिए फटकार लगाई। हाईकोर्ट का 14 अगस्त का आदेश इसी सिलसिले को आगे बढ़ाने वाला था, जिसका नतीजा - फिलहाल - तेज आवाज (हाई-डेसिबल नॉइज) के उत्सर्जन के संबंध में पूरे राज्य के लिए जारी निर्देशों के रूप में सामने आया। दरअसल, हाईकोर्ट के कदम यह दर्शाते हैं कि व्यापक कानून होने के बावजूद नियमों को लागू करने की स्थिति किस कदर खराब हो गई है। अदालतों ने बार-बार कहा है कि अनुच्छेद 21 के तहत लोगों को गैर-कानूनी शोर से सुरक्षा पाने का अधिकार है। आज, जब नियमों को कभी-कभार ही लागू करने की आदत आम हो गई है, तब पटना हाईकोर्ट का एक तरह से विनियामक की भूमिका निभाना - कम से कम एक अस्थायी उपाय के तौर पर ही सही - काबिले-तारीफ है।

> “ अक्टूबर में पुलिस ने बताया कि उन्होंने पटना, बाढ़ और फतुहा में तीन महीनों के दौरान उपकरण जब्त किए, जुर्माना लगाया और अन्य कार्रवाई की, लेकिन मसौढ़ी में कोई कार्रवाई नहीं की। न्यायमूर्ति रॉय ने इस स्थिति को अविश्वसनीय बताया क्योंकि इससे यह संकेत मिलता है कि वहां शोर से जुड़े नियमों का कोई उल्लंघन नहीं हुआ था। इन सुनवाइयों के दौरान, न्यायमूर्ति रॉय ने पुलिस अधिकारियों को भी तलब किया और घिसे-पिटे हलफनामों (बॉयलरप्लेट एफिडेविट) के लिए फटकार लगाई।

यह उम्मीद करना निहायत ही बेतुका है कि पुलिस के कार्रवाई करने से पहले जनता हर डीजे या हॉर्न के बारे में शिकायत करे। हाईकोर्ट ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे सिर्फ शिकायतों के आधार पर कार्रवाई करने के बजाय नियमित रूप से नियमों का पालन करवाएं। साथ ही, डीजे, साउंड-सिस्टम ऑपरेटर और इवेंट हॉल के मालिकों को सब-डिविजनल अधिकारियों के पास अपना पंजीकरण कराने को कहा है। शोर-शराबे के प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए इस तरह की सक्रिय कार्रवाई जरूरी है। दरअसल, हाईकोर्ट का आदेश जोरदार शोर के नियमों के उल्लंघन की रोजमर्रा की समझ पर भी आधारित है। अदालत ने लाउडस्पीकर को रात 9.55 बजे बंद करने का निर्देश दिया, जो कानून द्वारा निर्धारित रात 10 बजे की समय-सीमा से पांच मिनट पहले है। इससे ऑपरेटरों को काम समेटने का समय मिल जाएगा, बजाय इसके कि वे बस कुछ ही मिनट का बहाना बनाकर रात 10 बजे के बाद भी कार्यक्रम जारी रखें।

यह देखने में तो मामूली लगता है लेकिन असल में नियम का उल्लंघन है। त्योहारों, शादियों, राजनीतिक अभियानों और धार्मिक आयोजनों जैसे आम सामाजिक कार्यक्रमों में अक्सर तेज शोर होता है। नियमों को लागू करने से उन लोगों के साथ टकराव हो सकता है जो मानते हैं कि उन्हें अपनी संस्कृति को अपनी मर्जी से मनाने का अधिकार है। साथ ही, सरकारों की भी यह कोशिश रहती है कि वे अपने लोगों को नाराज करने के बजाय उन्हें नजरअंदाज या बर्दाश्त करें। वहीं, ऑपरेटरों का पंजीकरण होने से अधिकारी उन सभी पर एक समान रूप से नियंत्रण रख सकेंगे और कभी-कभार कार्रवाई करने से बाज आ सकेंगे। इससे चुनिंदा लोगों पर ही कार्रवाई करने जैसी स्थिति से भी बचा जा सकेगा। आखिर में, हाईकोर्ट के इस नए आदेश की सफलता इस बात से आंकी जानी चाहिए कि राज्य सरकार नियमों को लागू करने की एक पक्की आदत डाल पाती है या नहीं।

कश्मीर पर अमेरिकी सुर बदले: भारत का कद बढ़ा

ललित गर्ग

अमेरिका की कश्मीर नीति में लंबे समय से एक प्रकार की सावधानी रही है। भारत और पाकिस्तान के बीच संवाद तथा शांतिपूर्ण समाधान की बात करता रहा है। अमेरिकी विदेश विभाग की पूर्व घोषित नीति भी जम्मू-कश्मीर में सामान्य स्थिति और राजनीतिक-आर्थिक स्थिरता की वापसी का समर्थन करती रही है।

अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर का 19 अगस्त 2026 को श्रीनगर में दिया गया यह बयान कि जम्मू-कश्मीर भारत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, सामान्य कूटनीतिक टिप्पणी मानकर नजरअंदाज करने योग्य नहीं है। यह ऐसे समय आया है जब कश्मीर को लेकर भारत और पाकिस्तान की धारणाओं के बीच अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार नए समीकरण बन रहे हैं। गोर ने जम्मू-कश्मीर की निरन्तर सुधर रही सुरक्षा स्थिति की बात कही और अमेरिकी यात्रा संबंधी परामर्श पर पुनर्विचार के संकेत भी दिए। पाकिस्तान ने इस बयान पर अमेरिका के शीर्ष राजनयिक को तलब कर तीखा विरोध दर्ज कराया। इस पूरे घटनाक्रम को केवल कश्मीर के संदर्भ में देखना पर्याप्त नहीं होगा। इसे भारत-अमेरिका संबंधों में आ रहे व्यापक परिवर्तन, दक्षिण एशिया की बदलती सामरिक संरचना और पाकिस्तान की घटती कूटनीतिक प्रभावशीलता के संदर्भ में समझना अधिक उचित होगा।

अमेरिका की कश्मीर नीति में लंबे समय से एक प्रकार की सावधानी रही है। वाशिंगटन सामान्यत: भारत और पाकिस्तान के बीच संवाद तथा शांतिपूर्ण समाधान की बात करता रहा है। अमेरिकी विदेश विभाग की पूर्व घोषित नीति भी जम्मू-कश्मीर में सामान्य स्थिति और राजनीतिक-आर्थिक स्थिरता की वापसी का समर्थन करती रही है। इसलिए गोर का श्रीनगर में जाकर जम्मू-कश्मीर को भारत का महत्वपूर्ण हिस्सा कहना निश्चित रूप से भाषा के स्तर पर एक उल्लेखनीय परिवर्तन है। लेकिन इसे अमेरिका की पूरी कश्मीर नीति में तत्काल और औपचारिक परिवर्तन मानना भी जल्दबाजी होगी। किसी राजदूत का बयान और किसी सरकार की औपचारिक नीति में अंतर होता है। फिर भी कूटनीति में शब्दों का अपना महत्व होता है। विशेष रूप से तब, जब वही शब्द उस भूभाग में बोले जाएं जिसे पाकिस्तान दशकों से अंतरराष्ट्रीय विवाद के रूप में प्रस्तुत करता रहा है। इस दृष्टि से गोर का बयान भारत के लिए मनोवैज्ञानिक और कूटनीतिक दोनों स्तरों पर महत्वपूर्ण है।

इस बयान का दूसरा महत्वपूर्ण पक्ष जम्मू-कश्मीर की बदलती जमीन से जुड़ा है। गोर ने सुरक्षा व्यवस्था में सुधार का उल्लेख करते हुए यात्रा संबंधी अमेरिकी परामर्श में कमी लाने की संभावना जताई है। इसका अर्थ यह है कि वाशिंगटन अब कश्मीर को केवल सुरक्षा संकट या आतंकवाद की दृष्टि से देखने के बजाय पर्यटन, आर्थिक गतिविधियों और सामान्य जनजीवन की संभावनाओं वाले क्षेत्र के रूप में भी देख रहा है। यहीं से भारत-अमेरिका संबंधों की नई रोशनी दिखाई देती है। दोनों देशों के संबंध अब केवल व्यापार या रक्षा तक सीमित नहीं हैं। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव, समुद्री सुरक्षा, प्रौद्योगिकी, ऊर्जा, आपूर्ति-शृंखला और वैश्विक शक्ति-संतुलन जैसे विषयों ने भारत को अमेरिका के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बना दिया है। हालांकि दोनों देशों के बीच व्यापार और शुल्क जैसे मुद्दों पर मतभेद भी मौजूद हैं, फिर भी व्यापक सामरिक साझेदारी अपनी उपयोगिता बनाए हुए है। हाल में अमेरिकी विदेश मंत्री की भारत यात्रा का उद्देश्य भी तनावों के बीच संबंधों को सुदृढ़ करना और व्यापार तथा ऊर्जा सहयोग को आगे बढ़ाना था।

इसलिए कश्मीर पर अमेरिकी भाषा को भारत-अमेरिका संबंधों के व्यापक पुनर्संतुलन का हिस्सा मानना अधिक तार्किक होगा। अमेरिका के लिए भारत अब केवल दक्षिण एशिया का एक बड़ा देश नहीं, बल्कि एशिया में शक्ति-संतुलन का प्रमुख आधार है। भारत के लिए भी अमेरिका महत्वपूर्ण है, लेकिन भारत ने अपनी विदेश नीति को किसी एक शक्ति के साथ पूर्ण निर्भरता के बजाय रणनीतिक स्वायत्तता पर आधारित रखा है। यही कारण है कि भारत अमेरिका के साथ साझेदारी बढ़ाते हुए रूस, यूरोप, पश्चिम एशिया और अन्य शक्तियों के साथ भी अपने संबंध बनाए रखता है। कश्मीर के संदर्भ में यह घटनाक्रम पाकिस्तान के लिए निश्चित रूप से असहज करने वाला है। इस्लामाबाद ने गोर के बयान को अस्वीकार करते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर एक विवादित क्षेत्र है और उसका अंतिम निर्धारण होना बाकी है। पाकिस्तान ने इसे अमेरिका की पूर्व स्थिति से विचलन बताते हुए औपचारिक विरोध दर्ज कराया।

पाकिस्तान की समस्या यह है कि वह कश्मीर को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी विदेश नीति का केंद्रीय विषय बनाए रखना चाहता है, जबकि विश्व राजनीति की प्राथमिकताएं तेजी से बदल रही हैं। आतंकवाद, आर्थिक स्थिरता, चीन का बढ़ता प्रभाव, पश्चिम एशिया का संकट, समुद्री सुरक्षा और वैश्विक आपूर्ति-शृंखलाएं आज बड़ी शक्तियों की चिंता के केंद्र में हैं। ऐसे वातावरण में केवल कश्मीर के प्रश्न को बार-बार अंतरराष्ट्रीयकरण करने की पाकिस्तानी कोशिशों की प्रभावशीलता सीमित होती जा रही है। भारत ने दूसरी ओर लगातार यह रेखांकित किया है कि जम्मू-कश्मीर से जुड़े विषय भारत की संप्रभुता और द्विपक्षीय संबंधों के दायरे में आते हैं। गोर का श्रीनगर दौरा स्वयं इस दृष्टि से महत्वपूर्ण है कि एक प्रमुख अमेरिकी राजनयिक ने जम्मू-कश्मीर की यात्रा की, वहां के निर्वाचित नेतृत्व से मुलाकात की और क्षेत्र की सुरक्षा तथा आर्थिक संभावनाओं पर सकारात्मक टिप्पणी की। यह पाकिस्तान की उस कोशिश के विपरीत है जिसमें वह कश्मीर को केवल विवाद और अस्थिरता के चश्मे से प्रस्तुत करना चाहता है।

फिर भी भारत को इस बयान से अत्यधिक उत्साहित होकर यह मान लेने से बचना चाहिए कि अमेरिका ने कश्मीर पर अपनी संपूर्ण नीति बदल दी है। अमेरिका की विदेश नीति परिस्थितियों के अनुसार बदलती रहती है और वह भारत तथा पाकिस्तान दोनों के साथ अपने हितों को संतुलित करने की कोशिश करता है। आज भी वाशिंगटन के लिए पाकिस्तान आतंकवाद-रोध, क्षेत्रीय सुरक्षा और अफगानिस्तान सहित कुछ विषयों में उपयोगी साझेदार है। अत: भारत के लिए इस बयान का वास्तविक महत्व किसी औपचारिक अमेरिकी नीति-परिवर्तन से अधिक उस कूटनीतिक वातावरण में है, जिसमें भारत की स्थिति को पहले की तुलना में अधिक गंभीरता से लिया जा रहा है। यहां एक और महत्वपूर्ण बात है। कूटनीति में किसी देश का महत्व केवल इस बात से तय नहीं होता कि कितने देश उसके पक्ष में बयान दे रहे हैं, बल्कि इससे तय होता है कि वैश्विक शक्तियों के हित उसके साथ कितने गहरे जुड़े हैं। आज भारत की आर्थिक क्षमता, विशाल बाजार, तकनीकी सामर्थ्य, लोकतांत्रिक संस्थाएं, युवा शक्ति और सामरिक स्थिति उसे विश्व व्यवस्था का महत्वपूर्ण स्तंभ बनाती हैं। इसी बदलती वास्तविकता का प्रभाव कश्मीर पर भी दिखाई देना स्वाभाविक है।

गोर का बयान इसलिए भारत के लिए एक उपलब्धि से अधिक एक संकेत है-संकेत इस बात का कि जम्मू-कश्मीर को लेकर अंतरराष्ट्रीय विमर्श धीरे-धीरे बदल रहा है। पाकिस्तान के लिए यह चेतावनी है कि केवल पुराने नारों और कूटनीतिक दबाव से वह कश्मीर को विश्व राजनीति के केंद्र में नहीं रख सकता और अमेरिका के लिए यह उसके बदलते हितों के अनुरूप संतुलन साधने की कोशिश है। अंतत: कश्मीर की स्थायी शांति केवल अंतरराष्ट्रीय बयानों से नहीं, बल्कि लोकतंत्र, विकास, सुरक्षा, जनभागीदारी और सीमा-पार आतंकवाद के अंत से सुनिश्चित होगी। भारत को इस नए कूटनीतिक वातावरण का उपयोग आक्रामक प्रचार के बजाय जिम्मेदार और आत्मविश्वासी राष्ट्र की तरह करना चाहिए। सर्जियो गोर का बयान इस बदलती तस्वीर की एक महत्वपूर्ण झलक है-जहां कश्मीर को लेकर भारत की स्थिति पहले की अपेक्षा अधिक स्पष्ट अंतरराष्ट्रीय स्वीकार्यता प्राप्त करती दिखाई दे रही है और पाकिस्तान की कूटनीतिक चुनौती पहले से अधिक कठिन होती जा रही है।

लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

अज़ीम प्रेमजी स्कॉलरशिप : छात्राओं के सपनों को मिलेगी नई उड़ान

लेख एस.आर. पाराशर,
उपसंचालक

आर्थिक परिस्थितियां अब बेटियों की उच्च शिक्षा के रास्ते में बाधा न बनें, इसी उद्देश्य से अज़ीम प्रेमजी फाउंडेशन द्वारा अज़ीम प्रेमजी स्कॉलरशिप 2026-27 के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इस पहल के तहत पात्र छात्राओं को स्नातक शिक्षा पूरी करने तक प्रतिवर्ष 30,000 की वित्तीय सहायता दी जाएगी। छात्राएं इस राशि का उपयोग ट्यूशन फीस सहित शिक्षा से जुड़े अन्य आवश्यक खर्चों के लिए कर सकेंगी।

यह छात्रवृत्ति केवल आर्थिक सहायता का माध्यम नहीं, बल्कि बेटियों को उच्च शिक्षा से जोड़ने और उन्हें आत्मनिर्भर भविष्य की ओर बढ़ाने की महत्वपूर्ण पहल है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि आर्थिक कठिनाइयों के कारण कोई प्रतिभाशाली छात्रा अपनी कॉलेज शिक्षा बीच में न छोड़े। अज़ीम प्रेमजी स्कॉलरशिप के अंतर्गत चयनित छात्राओं को उनकी स्नातक शिक्षा की अवधि के अनुसार 2 से 5 वर्षों तक प्रतिवर्ष 30,000 की सहायता मिलेगी। इस तरह पात्र छात्रा को पूरी अवधि में अधिकतम 1.50 लाख तक की छात्रवृत्ति प्राप्त हो सकती है। इस छात्रवृत्ति की एक विशेषता यह है कि इसका चयन मेरिट, जाति, आय या धर्म के आधार पर नहीं किया जाता। सरल पात्रता मानदंड और आसान ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया के माध्यम से अधिक से अधिक पात्र छात्राओं तक इस योजना का लाभ पहुंचाने का प्रयास किया गया है। 17 अगस्त को कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने भी महाविद्यालयों के प्राचार्यों को पात्र छात्राओं की पहचान कर विशेष अभियान चलाने, आवेदन में मार्गदर्शन देने और यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए थे कि आर्थिक कठिनाई के कारण किसी छात्रा की पढ़ाई बाधित न हो।

कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने कहा कि आर्थिक परिस्थितियों के कारण किसी भी छात्रा की उच्च शिक्षा बाधित नहीं होनी चाहिए। अज़ीम प्रेमजी स्कॉलरशिप जैसी पहल छात्राओं को कॉलेज शिक्षा जारी रखने के लिए महत्वपूर्ण आर्थिक संबल प्रदान करती है। जिले के महाविद्यालयों को निर्देशित किया गया है कि वे पात्र छात्राओं की पहचान कर उन्हें इस योजना की जानकारी दें, आवेदन प्रक्रिया में आवश्यक

मार्गदर्शन उपलब्ध कराएं और अधिक से अधिक पात्र छात्राओं को योजना से जोड़ें। उन्होंने कहा कि जानकारी के अभाव में कोई भी पात्र छात्रा छात्रवृत्ति जैसे महत्वपूर्ण अवसर से वंचित न रहे। कलेक्टर ने छात्राओं और अभिभावकों से अपील की है कि वे उच्च शिक्षा के अवसरों का लाभ उठाने के लिए आगे आएं और निर्धारित समय-सीमा में अज़ीम प्रेमजी स्कॉलरशिप के लिए आवेदन करें। महाविद्यालयों को भी निर्देश दिए गए हैं कि वे छात्राओं को आवेदन के लिए आवश्यक दस्तावेजों और प्रक्रिया की जानकारी उपलब्ध कराते हुए उनका सहयोग करें।

वर्ष 2026-27 में अज़ीम प्रेमजी स्कॉलरशिप का तीसरा कोहोर्ट शुरू किया जा रहा है। इसमें 19 राज्य और 2 केंद्रशासित प्रदेश, अर्थात कुल 21 राज्य/केंद्रशासित प्रदेश शामिल हैं। इनमें छत्तीसगढ़ के अलावा आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, असम, बिहार, दिल्ली, झारखंड, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, ओडिशा, पुडुचेरी, राजस्थान, सिक्किम, तेलंगाना, त्रिपुरा, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड शामिल हैं। शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए वे छात्राएं आवेदन कर सकती हैं, जिन्होंने कक्षा 10वीं और 12वीं दोनों की पढ़ाई किसी पात्र राज्य/केंद्रशासित प्रदेश के सरकारी स्कूल या कॉलेज से नियमित छात्रा के रूप में पूरी की हो। साथ ही, उन्होंने 2026-27 में भारत के किसी सरकारी संस्थान अथवा विश्वसनीय एवं मान्यता प्राप्त निजी कॉलेज/विश्वविद्यालय में 2 से 5 वर्ष की अवधि वाले मान्यता प्राप्त स्नातक डिग्री या डिप्लोमा पाठ्यक्रम के प्रथम वर्ष में नियमित छात्रा के रूप में प्रवेश लिया हो। छात्राओं को आवेदन के लिए दो चरणों में अवसर दिया गया है। पहला आवेदन चरण 10 से 31 अगस्त 2026 तक है, जबकि दूसरा चरण 10 से 31 जनवरी 2027 तक रहेगा। आवेदन के लिए छात्राओं को पासपोर्ट आकार का फोटो, आधार कार्ड, बैंक खाते का विवरण, कक्षा 10वीं एवं 12वीं की मूल अंकतालिका तथा प्रवेश का प्रमाण जैसे बोनाफाइड प्रमाणपत्र या शिक्षण शुल्क रसीद की स्पष्ट, रंगीन और बिना संपादन की गई प्रतियां तैयार रखनी होंगी।

चौराहे पर बांग्लादेश : बदलाव, अनिश्चितता और नई राह की तलाश

अशोक भाटिया

अगस्त 2024 में शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग सरकार के पतन के बाद, बांग्लादेश ने नोबेल पुरस्कार विजेता डॉ. मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व में एक अंतरिम सरकार की स्थापना देखी। इस बदलाव को देश की जनता, विशेषकर युवाओं ने 'दूसरा स्वतंत्रता आंदोलन' या 'सच्ची मुक्ति' का नाम दिया।

बांग्लादेश आज अपने इतिहास के एक ऐसे संवेदनशील मोड़ पर खड़ा है, जिसे कूटनीतिक और राजनीतिक विश्लेषक 'चौराहे' का नाम दे रहे हैं। सत्ता के तख्तापलट, व्यापक छात्र आंदोलनों और एक दीर्घकालिक शासन के अचानक अंत के बाद, यह दक्षिण एशियाई राष्ट्र वर्तमान में एक अभूतपूर्व परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। जब कोई देश ऐसे चौराहे पर खड़ा होता है, तो सबसे बड़ा और यक्ष प्रश्न यही उठता है कि 'जाए तो जाए कहां?' क्या यह देश एक पूर्ण, पारदर्शी और समावेशी लोकतंत्र की ओर बढ़ेगा, या फिर यह राजनीतिक अस्थिरता, आर्थिक मंदी और आंतरिक संघर्षों के एक ऐसे चक्रव्यूह में फंस जाएगा जिससे निकलना आने वाले दशकों तक मुश्किल हो जाएगा? यह संपादकीय इसी गंभीर प्रश्न के विभिन्न पहलुओं का विश्लेषण करता है, जिसमें राजनीतिक पुनर्गठन, प्रशासनिक चुनौतियां, आर्थिक संकट, सामाजिक ताना-बाना और अंतरराष्ट्रीय संबंधों के जटिल समीकरण शामिल हैं।

अगस्त 2024 में शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग सरकार के पतन के बाद, बांग्लादेश ने नोबेल पुरस्कार विजेता डॉ. मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व में एक अंतरिम सरकार की स्थापना देखी। इस बदलाव को देश की जनता, विशेषकर युवाओं ने 'दूसरा स्वतंत्रता आंदोलन' या 'सच्ची मुक्ति' का नाम दिया। छात्र आंदोलनों ने जिस तरह एक शक्तिशाली शासन को उखाड़ फेंका, उसने पूरी दुनिया को चौंका दिया।

लेकिन सत्ता बदल देना जितना चुनौतीपूर्ण होता है, व्यवस्था को संभालना और एक नई पारदर्शी प्रणाली का निर्माण करना उससे कहीं अधिक जटिल होता है। शुरुआती दौर में जो उत्साह और उम्मीदें थीं, वे धीरे-धीरे प्रशासनिक और व्यावहारिक चुनौतियों के धरातल पर आकर थमती दिखाई दे रही हैं। अंतरिम सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह देश में सामान्य स्थिति कब और कैसे बहाल करे, और एक ऐसी लोकतांत्रिक प्रक्रिया की शुरुआत करे जो निष्पक्ष, पारदर्शी और सर्वस्वीकार्य हो।

जब एक लंबा राजनीतिक ढांचा अचानक ढह जाता है, तो देश में एक बड़ा राजनीतिक शून्य पैदा हो जाता है। बांग्लादेश वर्तमान में इसी शून्यता से जूझ रहा है। अवामी लीग के कमजोर होने के बाद, बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी और जमात-ए-इस्लामी जैसी पार्टियां राजनीतिक पटल पर फिर से सक्रिय हो गई हैं। इस चौराहे पर खड़ा बांग्लादेश अगर सही दिशा में कदम बढ़ाना चाहता है, तो उसे सबसे पहले अपनी लोकतांत्रिक संस्थाओं को पुनर्जीवित करना होगा। देश में एक ऐसे स्वतंत्र और शक्तिशाली चुनाव आयोग की आवश्यकता है, जिस पर सभी राजनीतिक दलों और आम जनता को पूरा भरोसा हो। अतीत में चुनावों की निष्पक्षता पर लगे दागों को धोना इस नए आयोग की सबसे बड़ी परीक्षा होगी।

इसके साथ ही, केवल सरकार बदल देना काफी नहीं है। जब तक पुलिस, न्यायपालिका और नौकरशाही का राजनीतिकरण बंद नहीं होगा, तब तक किसी भी नए लोकतांत्रिक ढांचे की नींव कमजोर ही रहेगी। अंतरिम सरकार ने इसके लिए विभिन्न आयोगों का गठन किया है, लेकिन इन सुधारों को जमीन पर उतारना एक लंबी और कठिन प्रक्रिया है। देश में एक ऐसा राजनीतिक माहौल तैयार करना होगा जहां हर विचारधारा को अपनी बात रखने का मौका मिले, बशर्ते वह लोकतांत्रिक मूल्यों के दायरे में हो। प्रतिशोध की राजनीति को छोड़कर समावेशी राजनीति को अपनाना ही बांग्लादेश को इस चौराहे से सुरक्षित बाहर निकाल सकता है।

राजनीतिक उथल-पुथल का सबसे सीधा और गहरा असर किसी भी देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। बांग्लादेश, जो कभी विकास दर के मामले में दक्षिण एशिया का चमकता सितारा माना जाता था, आज गंभीर

आर्थिक चुनौतियों से घिरा हुआ है। लंबे समय तक चले कर्फ्यू, हड़तालों, इंटरनेट शटडाउन और कारखानों के बंद रहने के कारण देश की आर्थिक रीढ़ को भारी नुकसान पहुंचा है। बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था का मुख्य स्तंभ उसका रेडीमेड गारमेंट उद्योग है। देश के कुल निर्यात का लगभग 80 प्रतिशत से अधिक हिस्सा इसी क्षेत्र से आता है और यह लाखों लोगों, विशेषकर महिलाओं को रोजगार देता है। राजनीतिक अस्थिरता के कारण कई विदेशी खरीदारों ने अपने ऑर्डर वियतनाम, भारत और कंबोडिया जैसे देशों की तरफ मोड़ दिए हैं। अगर बांग्लादेश को अपनी अर्थव्यवस्था को बचाना है, तो उसे जल्द से जल्द इन कारखानों में पूर्ण सुरक्षा और निर्बाध उत्पादन सुनिश्चित करना होगा ताकि वैश्विक बाजारों में उसका खोया हुआ भरोसा वापस लौट सके।

आर्थिक मोर्चे पर दूसरी बड़ी समस्या देश का विदेशी मुद्रा भंडार है, जो पिछले कुछ समय से लगातार दबाव में है। इसके साथ ही, बैंकिंग क्षेत्र में बड़े पैमाने पर गैर-निष्पादित आस्तियां यानी डूबता हुआ कर्ज एक गंभीर संकट बन चुका है। केंद्रीय बैंक और अंतरिम सरकार वित्तीय अनुशासन लागू करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन जब तक बैंकिंग प्रणाली से भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद को पूरी तरह खत्म नहीं किया जाता, तब तक आर्थिक स्थिरता एक दूर का सपना बनी रहेगी। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक से मिलने वाली वित्तीय सहायता इस समय देश के लिए एक संजीवनी की तरह है, लेकिन इसके साथ आने वाली शर्तें भी देश की आंतरिक नीतियों को प्रभावित कर रही हैं।

आम नागरिक के लिए सबसे बड़ी समस्या रसोई का बजट और रोजगार है। आवश्यक वस्तुओं की आसमान छूती कीमतें और दैनिक जीवन का खर्च आम जनता के धैर्य की परीक्षा ले रहा है। छात्र आंदोलन की मुख्य मांग ही रोजगार के समान अवसर और कोटा प्रणाली में सुधार थी। अब जब नई व्यवस्था आ चुकी है, तो युवाओं को रोजगार के वास्तविक अवसर प्रदान करना सरकार के लिए सबसे बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए। यदि युवाओं की उम्मीदें निराशा में बदलीं, तो सामाजिक अशांति का एक नया दौर शुरू हो सकता है।

किसी भी देश की प्रगति उसके सामाजिक सद्भाव और आंतरिक सुरक्षा पर टिकी होती है। सत्ता परिवर्तन के बाद के हफ्तों में बांग्लादेश ने कानून-व्यवस्था के मोर्चे पर भारी शिथिलता देखी। पुलिस थानों पर हमले, पुलिसकर्मियों की अनुपस्थिति और प्रशासनिक पंगुता के कारण देश में एक प्रकार की अराजकता की स्थिति पैदा हो गई थी। हालांकि धीरे-धीरे स्थिति में सुधार हो रहा है, लेकिन पूरी तरह से सुरक्षित माहौल का निर्माण होना अभी बाकी है। इस बदलाव के दौर में बांग्लादेश में धार्मिक अल्पसंख्यकों, विशेषकर हिंदू समुदाय, के खिलाफ हिंसा और उनकी संपत्तियों को नुकसान पहुंचाने की घटनाएं सामने आईं। हालांकि नागरिक समाज और छात्रों ने इन संपत्तियों की रक्षा के लिए मानव श्रृंखलाएं बनाईं, लेकिन इन घटनाओं ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बांग्लादेश की छवि को प्रभावित किया है। एक धर्मनिरपेक्ष और समावेशी बांग्लादेश का निर्माण तभी संभव है जब हर नागरिक, चाहे उसका धर्म या जाति कुछ भी हो, खुद को पूरी तरह सुरक्षित महसूस करे।

इसके अलावा, अतीत के शासकों और उनके समर्थकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई होना स्वाभाविक है, लेकिन यह कार्रवाई न्याय के सिद्धांतों के अनुरूप होनी चाहिए, न कि प्रतिशोध की भावना से। यदि नई व्यवस्था भी वही गलतियां दोहराती है जो पुरानी व्यवस्था ने की थीं, तो देश में लोकतंत्र का आगमन केवल एक छलावा बनकर रह जाएगा। समाज में शांति और स्थिरता तभी लौट सकती है जब लोगों को यह विश्वास हो कि नई सरकार निष्पक्षता और न्याय के पथ पर चल रही है।

इस चौराहे से आगे बढ़ने का केवल एक ही सही रास्ता है: एक ऐसी व्यवस्था का निर्माण करना जहां कानून का शासन सर्वोपरि हो, जहां अर्थव्यवस्था का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, और जहां हर नागरिक को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और सुरक्षा की गारंटी मिले। दुनिया उम्मीद और कौतूहल के साथ बांग्लादेश की ओर देख रही है, और यह समय बांग्लादेश के नेतृत्व के लिए अपनी दूरदर्शिता और दृढ़ता साबित करने का है।

वरिष्ठ स्वतंत्र पत्रकार, लेखक, समीक्षक एवं टिप्पणीकार

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544
www.onlytds.com

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें...

आरिफ और व्यास ने स्टूडेंट को बताए स्टार्टअप और मुनाफे के गुर

भिलाई। विश्व उद्यमिता दिवस के अवसर पर एसएसआईपीएमटी कॉलेज, रायपुर में स्टूडेंट के लिए उद्यमिता एवं स्टार्टअप पर एक विशेष एवं अत्यंत संवादात्मक सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विषय स्पार्क टू प्रॉफिट: स्टूडेंट स्टार्टअप रोडमैप रहा, जिसमें इन्नोवेदास एड टेक प्राइवेट लिमिटेड के सह-संस्थापक भिलाई निवासी अरिफखान एवं कोमल व्यास शर्मा ने स्टूडेंट को आइडिया से लेकर स्टार्टअप के निर्माण, बाजार में लॉन्च और रेवेन्यू तक पहुंचने की पूरी प्रक्रिया को व्यावहारिक तरीके से समझाया। सत्र के दौरान स्टूडेंट को बताया गया कि किसी भी सफल स्टार्टअप की शुरुआत केवल एक अच्छे आइडिया से नहीं, बल्कि किसी वास्तविक समस्या की पहचान और उसके लिए प्रभावी समाधान खोजने से होती है। इसके बाद आइडिया का मार्केट वैलिडेशन, कस्टमर डिस्कवरी, प्रोटोटाइप एवं एमवीपी तैयार करना, बिजनेस मॉडल विकसित करना, रेवेन्यू स्ट्रीम तय करना, ब्रांडिंग और मार्केटिंग तथा अंतत: बिजनेस को स्केल करने जैसे महत्वपूर्ण चरणों पर विस्तार से चर्चा की गई।

स्वास्थ्य शिविर का लाभ उठाया लोगों ने

भिलाई। पैगम्बर हजरत मोहम्मद सल्लु अलैहि वसल्लम के जन्मदिन ईद मिलादुन्नबी के सिलसिले आयोजन शुरु हो चुके हैं। अंचल में मिलादुन्नबी का जुलूस 26 अगस्त बुधवार को निकलेगा। इसके पहले ईद मिलादुन्नबी से जुड़े सेवाकार्य जारी है। इसी कड़ी मे सैय्यदी सुन्नी जामा मस्जिद भिलाई-3 में नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन जामा मस्जिद परिसर में किया गया। यहां सैकड़ों लोगों ने स्वास्थ्य जांच का लाभ लिया। सभी को नि:शुल्क परामर्श व जांच के साथ दवाइयां दी गई। यहां 80 लोगों की निशुल्क आंखों की जांच कर चश्मा नंबर, मोतियाबिंद प्रकरणों की जांच कर नि:शुल्क दवा देकर ऑपरेशन के मरीजों जल्दी ही नजदीकी जिला अस्पताल में जाकर उपचार की सलाह दी गई। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भिलाई-3 और आयुष विभाग भिलाई-3 के टीम डॉ. नितिन कश्यप,डॉ. नमिता नंदे नेत्ररोग रायपुर, फार्मासिस्ट विनय निर्मलकर,स्वास्थ्य संयोजिका हेमलता निर्मलकर ,जय सिंह कोठारी, मितानिन नूतन तिवारी, लतिका सरकार ने अपनी सेवाएं दी। वहीं सैय्यदी सुन्नी जामा मस्जिद भिलाई-3 के सदर मुहम्मद रूस्तम, सचिव मोहम्मद नसीम खान, कोषाध्यक्ष रईस अहमद,नारायणा लैब भिलाई-3 के मोहम्मद इमरान, मोहम्मद तौहीद (इंचार्ज), स्वास्थ्य विभाग के बी ई टी ओ सैय्यद असलम,तौहीद खान,अजहर खान,अब्दुल हुसैन,मोहम्मद आरिफ़ मोहम्मद हाशमी और अब्दुल लतीफ़ सहित पदाधिकारी मौजूद थे। ईद मिलादुन्नबी के सिलसिले में निशुल्क रक्तदान शिविर का आयोजन 23 अगस्त की दोपहर में किया गया है।

रेल एवं स्ट्रक्चरल मिल में शिरोमणि पुरस्कार समारोह आयोजित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बीएसपी के रेल एवं स्ट्रक्चरल मिल में शिरोमणि पुरस्कार योजना के अंतर्गत उत्कृष्ट एवं अनुकरणीय कार्य निष्पादन के लिए चार कर्मियों को शिरोमणि पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

यह पुरस्कार अपने कार्यक्षेत्र में नवाचार, संसाधनों के बेहतर उपयोग, संगठनात्मक उद्देश्यों की प्राप्ति तथा सुरक्षा मानकों के अनुरूप उल्लेखनीय प्रदर्शन करने वाले कर्मठ एवं सृजनशील कार्मिकों को प्रोत्साहित करने और उनके योगदान को विशेष पहचान प्रदान करने के उद्देश्य से दिया जाता है। समारोह में जूनियर इंजीनियर प्रकाश चन्द्र पटेल, जूनियर इंजीनियर एसोसिएट लक्ष्मीकांत प्रसाद, इंजीनियर एसोसिएट राजेश शर्मा एवं जूनियर इंजीनियर एसोसिएट श्याम लाल को शिरोमणि पुरस्कार से सम्मानित किया गया। समारोह में मुख्य महाप्रबंधक टी. दस्तीदार ने चयनित कर्मियों को स्मृति-चिह्न एवं प्रशस्ति-पत्र, उनके जीवनसाथी हेतु प्रशंसा-पत्र तथा मिठाई का कूपन देकर सम्मानित किया गया। दस्तीदार ने पुरस्कार प्राप्त करने वाले सभी कर्मियों को बधाई देते हुए उनके समर्पण, कर्मठता एवं उल्लेखनीय योगदान की सराहना की तथा उन्हें भविष्य में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर महाप्रबंधक एन. के. खरे, आर. के. राजधर, अरविन्द टंडन, प्रशांत खोंड, एम. के. साहू, दुर्जती सिन्हा एवं उप महाप्रबंधक सुनील कुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं कार्मिक उपस्थित थे। पुरस्कार प्राप्त करने वाले कर्मियों ने अपने उद्गार व्यक्त करते हुए कहा कि शिरोमणि पुरस्कार जैसे सम्मान से उनका मनोबल बढ़ा है और उन्हें अपने कार्यक्षेत्र में और बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिली है। उन्होंने इस सम्मान के लिए प्रबंधन के प्रति आभार व्यक्त किया।

मुख्य न्यायाधिपति रमेश सिन्हा ने दुर्ग में नवीन न्यायालय भवन के निर्माण हेतु किया भूमिपूजन

न्यायिक अधोसंरचना के सुदृढ़ीकरण के साथ डिजिटल न्याय एवं सामुदायिक मध्यस्थता को मिला नया आयाम

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जिला दुर्ग के न्यायिक इतिहास में एक महत्वपूर्ण एवं गौरवपूर्ण अध्याय जुड़ा, जब माननीय छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधिपति रमेश सिन्हा के कर कमलों से नवीन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय भवन, दुर्ग के निर्माण हेतु भूमिपूजन एवं **Foundation Stone Laying Ceremony** संपन्न हुई। इस अवसर पर न्यायिक गरिमा, आधुनिक न्यायिक अधोसंरचना, डिजिटल न्याय व्यवस्था तथा वैकल्पिक विवाद समाधान के क्षेत्र में जिले की महत्वपूर्ण पहलों का भी शुभारंभ एवं लोकार्पण किया गया।

इस अवसर पर माननीय मुख्य न्यायाधिपति महोदय के साथ माननीय न्यायाधिपति पी.पी. साहू, माननीय न्यायाधिपति नरेश कुमार चंद्रवंशी, माननीय न्यायाधिपति रवीन्द्र कुमार अग्रवाल, माननीय न्यायाधिपति विभु दत्त गुरु एवं माननीय न्यायाधिपति अमितेंद्र किशोर प्रसाद की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, दुर्ग के. विनोद कुजूर के स्वागत उद्बोधन से हुआ। उन्होंने माननीय मुख्य न्यायाधिपति एवं उपस्थित माननीय न्यायाधीशगण का स्वागत करते हुए नवीन न्यायालय भवन की आवश्यकता, न्यायिक अधोसंरचना के विकास तथा भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप आधुनिक न्यायिक परिसर की परिकल्पना पर प्रकाश डाला। इसके पश्चात माननीय मुख्य न्यायाधिपति रमेश सिन्हा द्वारा नवीन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय भवन, दुर्ग के निर्माण हेतु विधिवत भूमिपूजन किया गया।

प्रस्तावित नवीन भवन से न्यायिक कार्यों के लिए बेहतर, सुव्यवस्थित एवं आधुनिक वातावरण उपलब्ध होने के साथ-साथ न्यायिक अधिकारियों, अधिवक्ताओं, कर्मचारियों तथा न्यार्थियों के लिए सुविधाओं में व्यापक विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। कार्यक्रम में माननीय न्यायाधिपति पी.पी. साहू, माननीय न्यायाधिपति नरेश कुमार चंद्रवंशी सहित अन्य माननीय न्यायाधीशगण की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम के मुख्य उद्बोधन में मुख्य न्यायाधिपति रमेश सिन्हा द्वारा न्यायिक व्यवस्था में आधुनिक अधोसंरचना, तकनीकी नवाचार तथा जन-केंद्रित न्याय व्यवस्था के महत्व पर प्रकाश डाला गया। उन्होंने नवीन न्यायालय भवन के निर्माण को दुर्ग जिले की न्यायिक व्यवस्था के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप न्यायिक संस्थानों को और अधिक सुदृढ़ किए जाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने डिजिटल न्यायिक पहलों तथा सामुदायिक मध्यस्थता जैसे प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि न्याय व्यवस्था की वास्तविक सफलता तभी है, जब न्याय अधिक सुलभ, सरल, पारदर्शी और जनसामान्य के निकट हो।

कार्यक्रम के अवसर पर न्यायिक अधिकारीगण, जिला न्यायपालिका के अधिकारी एवं कर्मचारी, अधिवक्तागण, विधिक सेवा प्राधिकरण से जुड़े प्रतिनिधि, विभिन्न प्रशासनिक अधिकारी, पैरालीगल वॉलंटियर्स, सामाजिक प्रतिनिधि तथा प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय, दुर्ग सुमन एक्का द्वारा आभार प्रदर्शन किया गया। उन्होंने माननीय मुख्य न्यायाधिपति, माननीय न्यायाधीशगण, न्यायिक अधिकारियों, प्रशासनिक अधिकारियों, अधिवक्ताओं, मीडिया प्रतिनिधियों एवं कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग प्रदान करने वाले सभी संबंधितों के प्रति आभार व्यक्त किया।

नवीन न्यायालय भवन का भूमिपूजन, 'संधि सेतु' का विमोचन तथा डिजिटल न्यायिक पहलों का शुभारंभ-तीनों आयोजन दुर्ग जिले की न्याय व्यवस्था को आधुनिक, सुलभ, तकनीक-सक्षम एवं जन-केंद्रित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में सामने आए। माननीय मुख्य न्यायाधिपति महोदय का जिला अधिवक्ता संघ, दुर्ग द्वारा आत्मीय एवं गरिमापूर्ण स्वागत किया गया।

इस अवसर पर जिला दुर्ग से चयनित स्टेट बार काउंसिल के सदस्यों द्वारा भी माननीय मुख्य न्यायाधिपति महोदय का आत्मीय अभिनंदन किया गया।

डिजिटल न्यायिक पहलों का शुभारंभ एवं वीडियो प्रस्तुतीकरण

कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय की सूचना प्रौद्योगिकी टीम द्वारा विकसित विभिन्न डिजिटल न्यायिक पहलों का **Launch** एवं Video Presentation भी किया गया। इनमें प्रमुख रूप से **Cashless Fine Payment Facility, AFR Mobile Application (Android)** एवं **Court Fee Ticket Generation System** का शुभारंभ / प्रस्तुतीकरण किया गया। इन डिजिटल पहलों का उद्देश्य न्यायिक प्रक्रियाओं को अधिक सरल, पारदर्शी, सुलभ एवं तकनीक-सक्षम बनाना तथा न्यायालयीन सेवाओं के उपयोग में नागरिकों एवं न्यायिक हितधारकों को अधिक सुविधा प्रदान करना है।

संधि सेतु पुस्तक का विमोचन

कार्यक्रम के अगले चरण में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग द्वारा सामुदायिक मध्यस्थता के विषय पर तैयार की गई पुस्तक 'संधि सेतु' का माननीय मुख्य न्यायाधिपति रमेश सिन्हा द्वारा विमोचन किया गया। 'संधि सेतु' पुस्तक का उद्देश्य सामुदायिक स्तर पर संवाद, सहमति एवं मध्यस्थता के माध्यम से विवादों के समाधान की अवधारणा को सामने लाना तथा विवाद-मुक्त एवं सौहार्दपूर्ण ग्रामीण समाज की दिशा में किए जा रहे प्रयासों को दस्तावेजीकृत करना है। यह पहल न्याय को केवल न्यायालय तक सीमित न रखते हुए समाज के बीच संवाद एवं समझ के माध्यम से विवादों के समाधान की भावना को सशक्त करती है।

सेल के निदेशक टी.एन. नटराजन ने किया भिलाई इस्पात संयंत्र का दौरा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल के निदेशक (वाणिज्यिक) टी.एन. नटराजन ने 22 अगस्त 2026 को सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र का दौरा कर प्रमुख उत्पादन इकाइयों के परिचालन प्रदर्शन की समीक्षा की। इस दौरान वायर रॉड मिल एवं यूनिवर्सल रेल मिल में उत्पादकता सुधार पर विशेष जोर दिया गया। निदेशक प्रभारी (सेल-बीएसपी) चित्तरंजन महापात्र ने नटराजन का स्वागत किया तथा सेल के निदेशक (वाणिज्य) का पदभार ग्रहण करने के पश्चात उनकी पहली भिलाई यात्रा पर उनका अभिनंदन किया।

सेफ्टी एक्सीलेंस सेंटर में टी.एन. नटराजन को संयंत्र भ्रमण के दौरान पालन किए जाने वाले आवश्यक सुरक्षा निर्देशों एवं सावधानियों से अवगत कराया गया। इसके पश्चात उन्होंने कार्यपालक निदेशक (वर्क्स) राकेश कुमार एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ वायर रॉड मिल एवं यूनिवर्सल रेल मिल का दौरा कर मिल की प्रचालन गतिविधियों का जायजा लिया। संबंधित मिलों में मुख्य महाप्रबंधक

(एमडब्ल्यूआरएम एवं बीआरएम) योगेश शास्त्री एवं मुख्य महाप्रबंधक (यूआरएम) शिशिर शुक्ला ने नटराजन का स्वागत किया और संबंधित इकाइयों के संचालन के बारे में जानकारी दी।

दौरे के अंतर्गत सेक्टर-10 स्थित ओवरहेड वाटर टैंक के समीप आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम में निदेशक (वाणिज्यिक), सेल टी.एन. नटराजन ने पौधारोपण किया। कार्यक्रम में निदेशक प्रभारी (सेल-बीएसपी) चित्तरंजन महापात्र सहित कार्यपालक निदेशक (सामग्री प्रबंधन) ए.के. चक्रवर्ती; कार्यपालक निदेशक (वित्त एवं लेखा) प्रवीण निगम; कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) पवन कुमार; कार्यपालक निदेशक (परियोजनाएँ) पी.के. सरकार; कार्यपालक निदेशक (वर्क्स) राकेश कुमार; कार्यपालक निदेशक (खदान) कमल भास्कर एवं कार्यपालक निदेशक (रावघाट) अरुण कुमार उपस्थित रहे। इस अवसर पर टाउन सर्विसेज विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, संयंत्रकर्मी तथा बीएसपी स्कूलों के विद्यार्थी भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे और पौधारोपण कर वृक्षारोपण अभियान में सक्रिय रूप से भाग लिया।

भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा किए जा रहे वृक्षारोपण कार्यों की सराहना करते हुए टी.एन. नटराजन ने कहा कि उपजाऊ एवं प्रदूषणमुक्त मिट्टी, स्वच्छ वायु, स्वच्छ पेयजल और अच्छा स्वास्थ्य ही जीवन की वास्तविक संपदा हैं। उन्होंने कहा कि भिलाई हरित एवं प्रचुर प्राकृतिक संपदा से समृद्ध है। उन्होंने इन प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण एवं सुरक्षा पर जोर देते हुए कहा कि अन्य लोगों को भी पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

जीवन को सुखपूर्वक अनुशासित करे वही शास्त्र: आचार्य डॉ.दिव्य चेतन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ संस्कृत शिक्षा सेवा संस्थान द्वारा ऑनलाइन संस्कृत महोत्सव में पहली बार काशी की शास्त्रार्थ परंपरा पर सफल आयोजन किया गया। इसमें संस्कृत प्रेमियों ने बड़ी संख्या में सक्रिय उपस्थिति दी। व्याकरण शास्त्र पर केन्द्रित इस विशेष पाण्डित्य पूर्ण संवाद में पूर्व पक्ष और उत्तर पक्ष में शास्त्रीय विमर्श हुआ। शास्त्रार्थ सभा अध्यक्ष काशी के वाचस्पति काशी रत्न आचार्य डॉ.दिव्य चेतन ब्रह्मचारी थे। पूर्व पक्ष से युवा पण्डित हर्ष मित्र एवं उत्तर पक्ष से युवा पंडित अंबरीश तिवारी ने क्रमश: तर्कों के अपना-अपना पक्ष रखा।

प्रमाणों के माध्यम से दोनों युवाचार्यों ने विनम्रतापूर्वक व्याकरण शास्त्र के सिद्धांतों को रखते हुए परम्परागत शास्त्रार्थ पद्धति के आधार पर विषय को

स्पष्ट किया। अध्यक्षीय उद्बोधन में काशी रत्न आचार्य डॉ.दिव्य चेतन ब्रह्मचारी ने कहा कि-जो शास्त्र सुखपूर्वक जीवन को अनुशासित करे वही शास्त्र है। यह केवल ज्ञान प्राप्ति का साधन नहीं, अपितु जीवन को अनुशासित और संस्कारित करने का मार्ग है। शास्त्रीय परम्परा समाज में शान्ति, आनन्द और सद्भावनाओं को बढ़ावा देती हैं।

कार्यक्रम का सफल संयोजन, सचिव डॉ. मनीष शर्मा ने किया। संस्थान विगत 7-8 दिन से लगातार ऐसे आयोजनों से लगातार संस्कृत प्रेमियों को जोड़े हुवे है। एक दिन पूर्व छत्तीसगढ़ी भाषा पर संस्कृत का प्रभाव विषय पर दिग्विजय महाविद्यालय राजनांदगांव के प्रो.ललित प्रधान का रोचक व्याख्यान हुआ। इसमें आचार्य डॉ.महेश चन्द्र शर्मा की पुस्तक छत्तीसगढ़ में संस्कृत का भी उल्लेख हुआ और संस्कृत प्रेमियों ने इसकी मुक्तकण्ठ से सराहना की। संस्थान के अध्यक्ष आचार्य नवीन शर्मा, संगठन सचिव आचार्य मुकेश चौबे, दुर्ग जिला संरक्षक आचार्य डॉ.महेश चन्द्र शर्मा, खैरागढ़ जिला संयोजिका डॉ.पूर्णिमा केलकर, दुर्ग ज़िला संयोजक हेमन्त शर्मा, रायपुर से श्रीमती उर्मि देवी, डॉ.निर्मला पाण्डेय, डॉ.रूपेन्द्र तिवारी एवं संस्कृत भारती के डॉ. दादूभाई त्रिपाठी समेत बड़ी संख्या में संस्कृत प्रेमी जन संस्कृत महोत्सव में संलग्न हैं। श्रावणी पूर्णिमा तक यह आयोजन चलेगा।

रिमझिम सावन मेला 2026 का भव्य समापन, नारी जागरूकता की गूंज से सजा सावन मेला

फैशन शो, चमच दौड़ और कुर्सी दौड़ के विजेताओं का हुआ सम्मान, ओम योग नृत्य व सावन थीम ने मोहा मन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा आयोजित दो दिवसीय रिमझिम सावन मेला 2026 का भव्य समापन शनिवार को हुआ। समापन समारोह के मुख्य अतिथि शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव, विशिष्ट अतिथि ग्रामीण विधायक ललित चन्द्राकर रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महापौर श्रीमती अलका बाघमार ने की। महापौर ने अतिथियों का आत्मीय स्वागत करते हुए स्मृति चिन्ह भेंट कर अभिनंदन किया।

शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने कहा कि रिमझिम सावन मेला केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि दुर्ग की आत्मा, परंपरा और लोकसंस्कृति का जीवंत प्रमाण है। सावन माह में आयोजित यह उत्सव समाज के सभी वर्गों को एक मंच पर जोड़ने का कार्य करता है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से हमारी समृद्ध लोक परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने में मदद मिलती है। उन्होंने सावन माह के धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व पर भी प्रकाश डाला।

ग्रामीण विधायक ललित चन्द्राकर ने कहा कि रिमझिम सावन मेला हर वर्ष दुर्गवासियों के लिए नई उमंग और उत्साह लेकर आता है। यह आयोजन मनोरंजन के साथ-साथ लोक संस्कृति, परंपरा और सामाजिक एकता का सुंदर संगम बन गया है। उन्होंने कहा कि इस मेले ने दुर्ग शहर की सांस्कृतिक पहचान को एक नई दिशा और नए आयाम दिए हैं,सावन माह के महत्व पर विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि सावन का महीना भगवान शिव की आराधना के लिए विशेष माना जाता है। इस दौरान श्रद्धालु भगवान शिव की पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि और परिवार की खुशहाली की कामना करते हैं। उन्होंने कहा कि सावन उत्सव हमारी धार्मिक आस्था के साथ-साथ सामाजिक और सांस्कृतिक परंपराओं को भी मजबूत करता है। महापौर अलका बाघमार ने कहा कि नगर निगम द्वारा रिमझिम सावन मेला के माध्यम से महिलाओं और नागरिकों को अपनी प्रतिभा, कला और संस्कृति से जुड़ने का अवसर प्रदान किया गया। उन्होंने आयोजन की सफलता के लिए निगम के अधिकारियों-कर्मचारियों, जनप्रतिनिधियों और शहरवासियों का आभार व्यक्त किया।

नारी जागरूकता और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने बांधा समां,ओम योग नृत्य एवं सावन थीम पर जागृति महिला समिति की महिलाओं ने मनमोहक प्रस्तुति देकर नारी जागरूकता का संदेश दिया। कार्यक्रम में सावन मेला की विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजयी प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया।

महापौर अलका बाघमार द्वारा संस्कृति विभाग प्रभारी श्रीमती हर्षिका संभव जैन, महिला एवं बाल विभाग प्रभारी श्रीमती शशि साहू के साथ प्रतियोगिताओं का किया सम्मान,प्रतियोगिताओं के विजेताओं का हुआ सम्मान

फैशन शो में क्षमा देशमुख ने प्रथम और पूजा साहू ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। चमच दौड़ में विद्या नामदेव प्रथम एवं देवकी सिन्हा द्वितीय रहीं। वहीं कुर्सी दौड़ में उमेश्वरी साहू ने प्रथम तथा आशा यादव ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर पुरस्कार जीते। समापन समारोह में हजारों की संख्या में नागरिक शामिल हुए। मंच पर एक के बाद एक मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

Since 1972
CROWN-TV
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

खास-खबर

सोशल मीडिया में छाया कयाकिंग का रोमांच, सैलानियों से गुलजार हुआ रुद्री डेम

धमतरी। बारिश के बाद खिली हरियाली, रुद्री बांध की विशाल जलराशि और खुशनुमा मौसम इन दिनों सैलानियों को अपनी ओर खूब आकर्षित कर रहा है। शनिवार के सरकारी अवकाश के चलते बड़ी संख्या में अधिकारी-कर्मचारी भी अपने परिवार के साथ रुद्री और गंगरेल क्षेत्र की प्राकृतिक खूबसूरती का आनंद लेने पहुंच रहे हैं। इसी बीच रुद्री बांध परिसर में शुरू हुई कयाकिंग अकादमी पर्यटकों के आकर्षण का नया केंद्र बन गई है। कयाकिंग करते पर्यटकों के वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया पर भी खूब छा रहे हैं। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 15 अगस्त को नगर निगम धमतरी के महापौर रामू रोहरा ने रुद्री बांध परिसर में कयाकिंग अकादमी का शुभारंभ किया था। गंगरेल ब्लू एडवेंचर स्पोर्ट्स एसोसिएशन एवं कर्मा महिला स्व-सहायता समूह, रुद्री के सहयोग से शुरू हुई यह पहल जिले में साहसिक पर्यटन और जल क्रीड़ा को नई पहचान देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हो रही है। रुद्री बांध पहुंच रहे स्थानीय लोगों और आसपास के जिलों के पर्यटक कयाक में बैठकर चप्पू चलाते हुए जलराशि के बीच रोमांच का अनुभव ले रहे हैं।

जन संवाद-2.0 : सरगुजा की ग्राम पंचायतों में गूंजा विकसित भारत का संकल्प

अम्बिकापुर। कलेक्टर अजीत वसंत के निर्देशन एवं जिला पंचायत सीईओ रोमा श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में 20 अगस्त को जिले की सभी ग्राम पंचायतों में जन संवाद-2.0 विकसित भारत ग्राम संकल्प के तहत विशेष ग्राम सभाओं का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीणों को विकसित भारत एवं जी राम जी अधिनियम 2025 के प्रावधानों से जोड़ते हुए ग्राम विकास की प्राथमिकताओं पर व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित करना रहा। विशेष ग्राम सभाओं में ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी के साथ 5 विशेष गतिविधियों का आयोजन किया गया। इन गतिविधियों के माध्यम से ग्रामीणों को अपनी आवश्यकताओं, सुझावों एवं अधिकारों को ग्राम सभा के समक्ष रखने का अवसर मिला। सभी ग्राम पंचायतों में 'मेरे गांव की प्राथमिकता वोटिंग वॉल' स्थापित की गई। ग्रामीणों ने गांव की प्रमुख आवश्यकताओं एवं विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर दर्ज किया।

नगरीय निकायों को एल्डरमैन निधि के 9.44 करोड़ जारी

रायपुर। राज्य शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने नगरीय निकायों हेतु कुल 9 करोड़ 44 लाख 25 हजार रुपए की एल्डरमैन निधि जारी की है। चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 के अंतर्गत एल्डरमैन निधि की प्रथम किस्त की 50 प्रतिशत राशि विभाग द्वारा जारी की गई है। इस मद से मनोनीत पार्षदों (एल्डरमैन) की अनुशंसा पर विकास कार्य किए जाते हैं । उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव के अनुमोदन के बाद विभाग ने नगरीय निकायों को ये राशि जारी कर दी है। साव ने नगरीय निकायों को इस निधि का सदुपयोग करते हुए राज्य की शहरी आबादी तक योजनाओं का समुचित लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए हैं। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा राज्य के 10 नगर निगमों में एल्डरमैन निधि के कुल 2 करोड़ 7 लाख रुपए जारी किए गए हैं।

अन्नपूर्ति ग्रेन एटीएम से बदल रही सार्वजनिक वितरण प्रणाली की तस्वीर

24 घंटे राशन की सुविधा, आधार आधारित बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण से पारदर्शी वितरण, कतार और समय की पाबंदी से राहत, हितग्राहियों को मिल रहा निर्धारित मात्रा में पूरा अनाज

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) को अधिक पारदर्शी, सुविधाजनक और तकनीक आधारित बनाने की दिशा में दुर्ग जिले में 'अन्नपूर्ति ग्रेन एटीएम' की शुरुआत एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में सामने आई है। शासन एवं विश्व खाद्य कार्यक्रम के सहयोग से 8 अगस्त को गदा चौक के पास अंबेडकर चौक, सुपेला भिलाई स्थित पुराने वैशाली नगर थाना भवन में स्थापित किए गए ग्रेन एटीएम से अब राशनकार्डधारी अपनी सुविधा के अनुसार चावल प्राप्त कर रहे हैं।

यह व्यवस्था पारंपरिक राशन दुकानों की कतार और समय की पाबंदी को कम करते हुए सार्वजनिक वितरण प्रणाली में तकनीकी

नवाचार और पारदर्शिता को नई दिशा दे रही है। ग्रेन एटीएम के माध्यम से दुर्ग जिले के साथ-साथ अन्य स्थानों के राशनकार्डधारी भी चावल प्राप्त कर सकते हैं। इसके लिए आधार आधारित बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण की प्रक्रिया पूरी की जाती है और पात्रता के अनुसार निर्धारित मात्रा में चावल मशीन के माध्यम से वितरित किया जाता है। मशीन आधारित वितरण से तौल में कमी की आशंका समाप्त होती है और हितग्राही को उसकी पात्रता के अनुसार पूरी मात्रा में राशन प्राप्त होता है। इससे दैनिक वेतनभोगी, श्रमिक, महिलाएं और अन्य राशनकार्डधारी अपनी सुविधा एवं समय के अनुसार कभी भी राशन प्राप्त कर सकते हैं। पूरी प्रक्रिया में कम समय लगने से हितग्राहियों को कतार में खड़े रहने और निर्धारित समय के भीतर राशन दुकान पहुंचने की बाध्यता से राहत मिल रही है। शासन द्वारा अन्नपूर्ति ग्रेन एटीएम की सुविधा के संबंध में आम नागरिकों के बीच व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है, ताकि अधिक से अधिक पात्र राशनकार्डधारी इस आधुनिक सुविधा का लाभ उठा सकें।

तकनीक से बढ़ी पारदर्शिता, कम हुई निर्भरता

आधार आधारित बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण के माध्यम से राशन वितरण होने से पूरी प्रक्रिया अधिक सुरक्षित और पारदर्शी बनी है। हितग्राहियों की उचित मूल्य दुकान संचालकों पर निर्भरता कम होने के साथ राशन वितरण में मानवीय हस्तक्षेप भी घट रहा है। तकनीक आधारित इस व्यवस्था से राशन की कालाबाजारी और अनियमितताओं पर अंकुश लगाने में भी मदद मिलने की उम्मीद है।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने विभागीय कार्यों की समीक्षा की

स्वीकृत सड़कों का निर्माण समय-सीमा में पूरा करने और हर घर जल का लक्ष्य सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

नगरीय निकायों को 5 वर्षों की योजना बनाकर काम करने के निर्देश, कहा-हर गांव में मैदान हो, हर स्कूल से खिलाड़ी निकलें

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने आज शाम महासमुंद कलेक्ट्रेट में लोक निर्माण विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग, खेलकूद एवं कल्याण विभाग के अधिकारियों की बैठक लेकर विभागीय कार्यों एवं योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों से जिले में चल रहे विकास कार्यों की प्रगति, निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, योजनाओं के क्रियान्वयन तथा आम नागरिकों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने सभी कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने तथा शासन की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने के निर्देश दिए।

उप मुख्यमंत्री साव ने लोक निर्माण विभाग की समीक्षा के दौरान जिले में सड़कों, पुल-पुलियों तथा अन्य निर्माण कार्यों की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने निर्माणाधीन कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने तथा स्वीकृत कार्यों को समय पर पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सड़क एवं अधोसंरचना से जुड़े कार्यों का सीधा प्रभाव आम लोगों के आवागमन पर पड़ता है, इसलिए निर्माण कार्यों में किसी प्रकार की

लापरवाही नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अधिकारी कार्ययोजना बनाकर कार्य करें। सड़कों की मरम्मत के लिए संबंधित अनुविभागीय अधिकारी सीधे जिम्मेदार होंगे। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक और उपकरणों के मदद से कार्यों को आसान बनाएं।

श्री साव ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की समीक्षा करते हुए ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में पेयजल व्यवस्था, जलापूर्ति से संबंधित कार्यों तथा संचालित योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने पेयजल व्यवस्था सुचारू बनाए रखने, जल स्रोतों की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा पेयजल से जुड़ी समस्याओं का त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायतों को हैंडओवर करने के पश्चात सचिवों और सरपंचों की बैठक लेकर उन्हें संचालन की जानकारी दें एवं तकनीकी रूप से सक्षम बनाएं। सभी ग्राम पंचायतों में जून-2027 तक हर घर जल का लक्ष्य पूर्ण करना है। उन्होंने कहा कि बंद पड़े ट्यूबवेल्स को चालू करने के निर्देश दिए।

श्री साव ने नगरीय प्रशासन विभाग की समीक्षा के दौरान नगरीय निकायों में चल रहे विकास कार्यों, नागरिक सुविधाओं, स्वच्छता, सड़क एवं नाली निर्माण सहित विभिन्न कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने नगरीय क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने तथा शहरों के व्यवस्थित विकास पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि नागरिकों की समस्याओं का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किया जाए और नगरीय निकायों में स्वच्छता एवं जन सुविधाओं की नियमित निगरानी हो।

उन्होंने अधोसंरचना मद 15वें वित्त के कार्य, नालंदा परिसर आदि के लक्ष्यों को पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आने वाले 5 वर्षों के लिए कार्ययोजना बनाकर कार्य करें, प्रधानमंत्री आवास को सर्वोच्च प्राथमिकता दें और राजस्व वसूली पर भी विशेष ध्यान दें।

उप मुख्यमंत्री ने खेल एवं युवा कल्याण विभाग की समीक्षा के दौरान जिले में खेल गतिविधियों, खेल अधोसंरचना तथा युवाओं को खेलों से जोड़ने के लिए संचालित कार्यक्रमों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि युवाओं को बेहतर खेल सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ स्थानीय प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक प्रयास किए जाएं। उन्होंने उपलब्ध खेल संसाधनों के बेहतर उपयोग और खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में खेलों को बढ़ावा देने प्राथमिक शालाओं से खिलाड़ी तैयार करें। प्रत्येक बच्चे मैदान जाएं और खेलों में शामिल रहें।

उप मुख्यमंत्री साव ने सभी विभागों के अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए शासन की प्राथमिकताओं के अनुरूप विकास कार्यों को गति देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों का वास्तविक उद्देश्य नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है, इसलिए अधिकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता, गुणवत्ता और समयबद्धता को सर्वोच्च प्राथमिकता दें।

मानव-हाथी द्वंद्व कम करने में हाथी मित्र दल की भूमिका महत्वपूर्ण- मंत्री केदार कश्यप

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में हाथी-मानव द्वंद्व को रोकने और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए वन विभाग द्वारा हाथी मित्र दल (हाथी मितान) के सदस्यों को मोटरसाइकिल और सुरक्षा किट (सुरक्षा उपकरण) प्रदान किए जा रहे हैं। राज्य में वन्यजीवों के संरक्षण और जंगल से लगे इलाकों में जनसुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से वन विभाग लगातार प्रयासरत है।

इसी कड़ी में छत्तीसगढ़ के वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप ने कोरबा प्रवास के दौरान पुतका पहाड़ का निरीक्षण किया और कॉफी प्वाइंट में हाथी मित्र दल के सदस्यों को सुरक्षा उपकरण (किट) वितरित किए।

वन मंत्री कश्यप ने मैदान में तैनात हाथी मित्र दल के सदस्यों को काम के दौरान सुरक्षा संसाधन मुहैया कराने हेतु सुरक्षा उपकरण सौंपे। मंत्री कश्यप ने कहा कि हाथियों की गतिविधियों की सतत निगरानी, ग्रामीणों को समय पर अलर्ट करने और मानव-हाथी टकराव रोकने में दल की भूमिका बेहद अहम है।

हाथियों को वन पारिस्थितिकी तंत्र का महत्वपूर्ण हिस्सा बताते हुए उन्होंने कहा कि स्थानीय स्तर पर जागरूकता और वन विभाग के मैदानी अमले के साथ समन्वय से द्वंद्व की घटनाओं को न्यूनतम किया जा सकता है।

मैदानी अनुभवों पर चर्चा

मंत्री ने सदस्यों से उनकी सुरक्षा आवश्यकताओं और मैदानी चुनौतियों की जानकारी ली तथा उन्हें सुरक्षित रहकर कर्तव्यों का पालन करने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर श्री गोपाल मोदी, श्री जोगेश लांबा सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि और वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

रंगों ने लिखी हौसले की कहानी, 90 प्रतिशत दिव्यांग बसंत साहू की कला को मिला सम्मान

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। कला केवल रंगों और रेखाओं का मेल नहीं, बल्कि संवेदनाओं, कल्पनाओं और अदम्य इच्छाशक्ति को अभिव्यक्त करने का माध्यम भी है। धमतरी में आयोजित तीन दिवसीय 'जीवन रंग' चित्रकला प्रदर्शनी एवं प्रतियोगिता में इसी जज्बे की प्रेरक तस्वीर देखने को मिली। बसंत फाउंडेशन छत्तीसगढ़, कुरूद के तत्वावधान में 21 से 23 अगस्त तक छत्रपति शिवाजी मराठा मंगल भवन में आयोजित प्रदर्शनी में कलाकार श्री बसंत साहू की कलाकृतियों ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया और उनकी मेहनत, लगन तथा कला-साधना की जमकर सराहना हुई।

प्रदर्शनी में पहुंचे स्कूली बच्चों ने पेंटिंग्स को करीब से देखा और चित्रों में रंगों के संयोजन, रेखांकन, आकृतियों के संतुलन तथा भावों को उकेरने की कला के बारे में जानकारी ली। बच्चों ने कलाकार श्री बसंत साहू से सहज संवाद करते हुए चित्रकला की कई बारीकियां और उपयोगी गुर सीखे। उन्होंने यह भी जाना कि किसी चित्र को प्रभावशाली बनाने के लिए केवल अच्छी ड्राइंग ही नहीं, बल्कि धैर्य, निरंतर अभ्यास और कल्पनाशीलता भी जरूरी है।

बच्चों के लिए सबसे खास पल वह रहा, जब उन्होंने बसंत साहू के साथ बातचीत की, उनकी कला-साधना के अनुभव सुने और उनके साथ तस्वीरें खिंचवाईं। बसंत साहू ने बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि कला सीखने के लिए किसी विशेष परिस्थिति का इंतजार नहीं करना चाहिए।

नियमित अभ्यास और अपनी कल्पना पर विश्वास रखने से हर बच्चा अपनी अलग पहचान बना सकता है। बच्चों ने भी उनके साथ फोटो लेकर इस मुलाकात को यादगार बनाया। 90 प्रतिशत दिव्यांगता के बावजूद कला के क्षेत्र में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने वाले बसंत साहू की कहानी बच्चों के लिए प्रदर्शनी की सबसे बड़ी प्रेरणा बनी। उन्हें राष्ट्रपति पुरस्कार सहित मुख्यमंत्री और राज्यपाल द्वारा भी सम्मानित किया जा चुका है। उनकी उपलब्धियों ने बच्चों को यह संदेश दिया कि प्रतिभा और दृढ़ इच्छाशक्ति के सामने शारीरिक सीमाएं भी बाधा नहीं बन सकतीं। दिव्यांगता के बावजूद श्री बसंत साहू ने अपनी कला को अपनी कमजोरी नहीं, बल्कि अपनी ताकत बनाया है।

मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना से बैगा युवाओं को मिल रहा रोजगारपरक प्रशिक्षण

निजी क्षेत्र में रोजगार के लिए 224 युवक-युवतियों ने लिया साक्षात्कार में हिस्सा, 280 पदों पर भर्ती के अवसर उपलब्ध

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में गौरेला पेंड्रा मरवाही जिला प्रशासन के पहल को महत्वपूर्ण सफलता मिली है। आईटीआई गौरेला में जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र द्वारा आयोजित जिला स्तरीय रोजगार मेले में 14 युवाओं का अंतिम चयन हुआ। रोजगार मेले के समापन अवसर पर कलेक्टर विजय दयाराम के. ने चयनित युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

रोजगार मेले में पांच निजी संस्थानों ने भाग लिया। विभिन्न पदों पर भर्ती के लिए कुल 280 रिक्तियां उपलब्ध थीं। रोजगार की

उम्मीद लेकर पहुंचे 224 युवक-युवतियों ने साक्षात्कार में हिस्सा लिया। चयन प्रक्रिया के प्रारंभिक चरण में 60 अभ्यर्थियों का चयन किया गया, जिसके बाद अंतिम चयन प्रक्रिया में 14 युवा सफल रहे। चयनित युवाओं को रोजगार मेले में ही नियुक्ति पत्र प्रदान किए जाने से उनमें उत्साह का संचार हुआ।

कलेक्टर विजय दयाराम के. ने चयनित युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि निजी क्षेत्र में युवाओं के लिए रोजगार के अनेक अवसर उपलब्ध हैं। युवाओं को अपनी योग्यता और कौशल के अनुरूप इन अवसरों का लाभ उठाकर अपने करियर को नई दिशा देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कार्यस्थल पर ईमानदारी, अनुशासन, समयबद्धता और लगन के साथ दायित्वों का निर्वहन सफलता की महत्वपूर्ण आधारशिला है। उन्होंने चयनित युवाओं से अपने कार्यक्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करते हुए जिले और परिवार का नाम रोशन करने का आह्वान किया। कलेक्टर विजय दयाराम के. ने लाइवलीहुड कॉलेज गौरेला में मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना के अंतर्गत विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा हितग्राहियों के लिए संचालित टैक्सी चालक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का भी अवलोकन किया। उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे युवाओं से संवाद कर उनके प्रशिक्षण, रुचि और भविष्य की रोजगार संभावनाओं के संबंध में जानकारी ली।

उन्होंने कहा कि कौशल प्रशिक्षण युवाओं को रोजगार और आत्मनिर्भरता से जोड़ने का प्रभावी माध्यम है। प्रशिक्षणार्थी नियमित रूप से कक्षाओं में उपस्थित रहें, मन लगाकर प्रशिक्षण प्राप्त करें और पाठ्यक्रम को पूरी गंभीरता से पूरा करें, ताकि प्रशिक्षण के बाद उपलब्ध रोजगार के अवसरों का बेहतर लाभ उठाया जा सके।

जनजातीय कारीगरों के हुनर को मिलेगा व्यापक बाजार, 20 कलाकारों एवं कारीगरों ने लगाए स्टॉल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले के लाइवलीहुड कॉलेज में 'जनजातीय कारीगर सूचीबद्धता (एम्पैनलमेंट) मेला' आयोजित किया गया। इसे जनजातीय कार्य मंत्रालय के अधीन **TRIFED** (ट्राइफेड) और जिला प्रशासन ने मिलकर आयोजित किया था, जिसका उद्देश्य स्थानीय कारीगरों को राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय बाजार दिलाना है।

जिले के जनजातीय कारीगरों, कलाकारों और उद्यमियों के पारंपरिक हुनर को स्थानीय बाजार से निकालकर राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर के बाजारों से जोड़ने की दिशा में जिला प्रशासन द्वारा महत्वपूर्ण पहल की गई है। जनजातीय कारीगरों को बेहतर बाजार, पहचान, विपणन और आजीविका के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से गुरुवार को लाइवलीहुड कॉलेज में एक दिवसीय 'जनजातीय कारीगर सूचीबद्धता मेला' आयोजित किया गया।

मेले में जिले के 20 कलाकारों एवं कारीगरों ने अपने उत्पादों के स्टॉल लगाए। पात्र कारीगरों, स्वयं सहायता समूहों, वन धन विकास केंद्रों, किसान उत्पादक संगठनों तथा जनजातीय उद्यमियों को ट्राइफेड से सूचीबद्ध होने का अवसर प्रदान किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष अरुण सार्वा ने कहा कि जिला प्रशासन की यह पहल जनजातीय कलाकारों को अपनी कला और हुनर प्रदर्शित करने के लिए प्रभावी मंच उपलब्ध कराएगी। ट्राइफेड से सूचीबद्ध होने के बाद कारीगरों को राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की प्रदर्शनियों, 'जनजातीय भारत' बिक्री केंद्रों, मेलों तथा विभिन्न विपणन गतिविधियों में भाग लेने के अवसर मिलेंगे। इससे स्थानीय उत्पादों को व्यापक बाजार और कारीगरों को आय के नए अवसर प्राप्त होंगे। उन्होंने कहा कि आयुर्वेदिक एवं ऑर्गेनिक उत्पादों की मांग लगातार बढ़ रही है। नगरी क्षेत्र में उपलब्ध सतावर के साथ-साथ लाख, इमली और अन्य वन उपज का वैज्ञानिक एवं व्यवस्थित प्रसंस्करण कर बेहतर आय का माध्यम बनाया जा सकता है। उन्होंने युवाओं एवं जनजातीय समाज के लोगों को प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना सहित उद्योग विभाग की विभिन्न योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। कलेक्टर ने कहा कि जिले के जनजातीय कारीगरों का एक विशेष बैच तैयार कर उन्हें सोशल मीडिया मार्केटिंग, ब्रांडिंग, पैकेजिंग, बाजार प्रबंधन एवं उत्पाद प्रस्तुतीकरण का प्रशिक्षण दिलाया जाएगा।

डिजिटल प्लेटफॉर्म से जुड़ने पर जोर

कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने कहा कि आजीविका से जुड़ी गतिविधियां केवल आय का साधन नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण का माध्यम भी हैं। जिला प्रशासन का प्रयास है कि जनजातीय समाज की पारंपरिक कला, कौशल और प्राकृतिक संसाधनों पर आधारित उत्पादों को आधुनिक बाजार से जोड़ा जाए। उन्होंने कारीगरों से कहा कि आज इंटरनेट और सोशल मीडिया का दौर है। अपने उत्पादों और हुनर को सोशल मीडिया के माध्यम से दुनिया तक पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि डिजिटल प्लेटफॉर्म का प्रभावी उपयोग कर कारीगर सीधे ग्राहकों तक पहुंच बना सकते हैं और अपने उत्पादों की बाजार क्षमता बढ़ा सकते हैं। कलेक्टर ने जिले की भौगोलिक स्थिति एवं वन उपज की प्रचुर उपलब्धता का उल्लेख करते हुए युवाओं को प्रोसेसिंग, ब्रांडिंग और आकर्षक पैकेजिंग पर विशेष ध्यान देने की सलाह दी।

'उफ्फ क्या परफॉर्मेंस है'

प्रेग्नेंसी की खबरों के बीच करीना कपूर की पहली पोस्ट, इस फिल्म की जमकर की तारीफ

बॉलीवुड एक्ट्रेस करीना कपूर खान इन दिनों अपनी प्रेग्नेंसी की खबरों को लेकर चर्चा में हैं। इन खबरों के बीच उन्होंने एक नई पोस्ट शेयर की है। जानिए पोस्ट में क्या कुछ है खास।

सोशल मीडिया पर करीना कपूर का एक वीडियो सामने आने के बाद लोग कयास लगाने लगे कि एक्ट्रेस अपने तीसरे बच्चे की मां बनने वाली हैं। अब एक्ट्रेस ने इन खबरों के बीच एक खास स्टोरी शेयर की है।

करीना ने की इस फिल्म की तारीफ

करीना कपूर ने अपने इंस्टाग्राम पर फिल्म माइकल की स्टोरी शेयर की। उन्होंने हॉलीवुड स्टार जाफर जैक्सन की फिल्म 'माइकल' में उनकी परफॉर्मेंस की जमकर तारीफ की है।

करीना ने फिल्म को देखने लायक बताया और अपनी तारीफ को एक छोटे से लेकिन दमदार शब्द 'उफ्फ' के साथ जाहिर किया।

फिल्म 'माइकल' के बारे में

बता दें कि फिल्म 'माइकल' 24 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म में जाफर जैक्सन लीड रोल में नजर आए थे। इस रोल के लिए उन्हें दर्शकों से और क्रिटिक्स से काफी तारीफें मिली थी।

फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर भी शानदार कमाई की थी। अब करीना ने भी स्टोरी शेयर कर उनके परफॉर्मेंस की तारीफ की है।

कैसे शुरू हुई करीना की प्रेग्नेंसी की चर्चा?

दरअसल, हाल ही में करीना कपूर का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। वीडियो में वह जिम से निकलकर अपनी कार की तरफ जाती हुई नजर आईं। जिससे पैपराजी को उनका लुक ठीक से दिखाई नहीं दे रहा था। वीडियो सामने आने के बाद कुछ सोशल मीडिया यूजर्स ने करीना के लुक को देखकर उनकी प्रेग्नेंसी को लेकर कयास लगाना शुरू कर दिया। हालांकि, करीना की तरफ से ऐसी किसी खबर की पुष्टि नहीं की गई है।

'लोग फुटेज लेना चाहते हैं', गोविंदा और सुनीता के रिश्ते पर आरती सिंह ने तोड़ी चुप्पी

गोविंदा और उनकी पत्नी सुनीता आहूजा की शादीशुदा जिंदगी को लेकर पिछले कुछ समय से कई तरह की खबरें सामने आ रही हैं। हाल ही में पैपराजी से बातचीत के दौरान आरती से गोविंदा और सुनीता के रिश्ते को लेकर सवाल किया गया। हालांकि, उन्होंने इस पर कोई राय देने से साफ इनकार कर दिया।

मैं अपनी फैमिली से बात करूंगी

आरती ने कहा, 'जैसा मैंने पहले भी कहा है, मैं अपने से बड़ों के बीच में नहीं बोलती। ये उनका मामला है। जो लोग फुटेज लेना चाहते हैं, वो अच्छी तरह ले रहे हैं। मैं उनमें से नहीं हूं, क्योंकि मैं परिवार की सदस्य हूं।'

जब आरती से पूछा गया कि इस पूरे मामले को लेकर वह खुद क्या महसूस करती हैं, तो उन्होंने कहा कि उनकी भावनाएं उनके परिवार के लिए हैं और वह इन्हें सार्वजनिक नहीं करना चाहतीं।

रिपोर्ट के मुताबिक, आरती ने कहा, 'मेरी जो फीलिंग है ना, मैं रात को कृष्णा को कॉल करके बताऊंगी। मैं टीना से बात करूंगी, मैं यश से बात करूंगी, मैं सुनीता मामी से बात करूंगी, मैं अपनी मम्मी से बात करूंगी।'

सुनीता ने वापस ली थी तलाक की अर्जी

बता दें कि सुनीता आहूजा ने इससे पहले तलाक के लिए याचिका दायर की थी, लेकिन 19 अगस्त को इसे वापस ले लिया। बाद में गोविंदा के मैनेजर ने भी इस बात की पुष्टि की कि तलाक की याचिका वापस ले ली गई है। इस बीच सुनीता ने गोविंदा और उनकी फिल्म 'रूपा' की को-स्टार कोमल रानी स्वर्णकार को लेकर भी सार्वजनिक तौर पर कई दावे किए थे। सुनीता ने आरोप लगाया था कि गोविंदा और कोमल रानी शादी करने की योजना बना रहे हैं। हालांकि, गोविंदा ने इन सभी दावों से इनकार किया है। उन्होंने सुनीता के इस तरह से सार्वजनिक तौर पर उनके बारे में बात करने के तरीके पर भी आपत्ति जताई थी।

क्या 'आश्रम 4' की शुरू हुई शूटिंग बॉबी देओल स्टारर सीरीज पर प्रकाश झा ने दी बड़ी अपडेट

बॉबी देओल की अदाकारी वाली वेब सीरीज 'आश्रम' की अगली कड़ी का एलान हो गया है। प्रकाश झा प्रोडक्शंस ने इंस्टाग्राम पर इसकी जानकारी दी है। 'आश्रम' सीरीज के सभी पार्ट को दर्शकों ने प्यार दिया है। प्रकाश झा ने नए सीजन का एलान करके फैंस को तहफा दिया है।

पोस्ट में क्या है?

'आश्रम 4' का एलान करते हुए सोशल मीडिया पर एक तस्वीर शेयर की गई है। इसमें मूवी क्लिपबोर्ड नजर आ रहा है। इस पर 'एक बदनाम आश्रम' लिखा है। तस्वीर शेयर करते हुए प्रोडक्शन हाउस ने कैप्शन में लिखा 'एक और आरंभ। आश्रम के नए अध्याय में आपका स्वागत है। जापनाम। आश्रम 4 की शूटिंग हो रही है।'

यूजर्स हुए उत्साहित

आश्रम के नए सीजन को लेकर फैंस उत्साहित हैं। एक यूजर ने पोस्ट पर कमेंट करते हुए लिखा 'बहुत बढ़िया, शुभकामनाएं।'

एक दूसरे यूजर ने लिखा 'पूरी टीम को मेरी तरफ से शुभकामनाएं।' तीसरे यूजर ने लिखा 'मैं बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं।' एक और यूजर ने लिखा 'बहुत अच्छा। बॉबी देओल का इंतजार कर रहा हूं।'

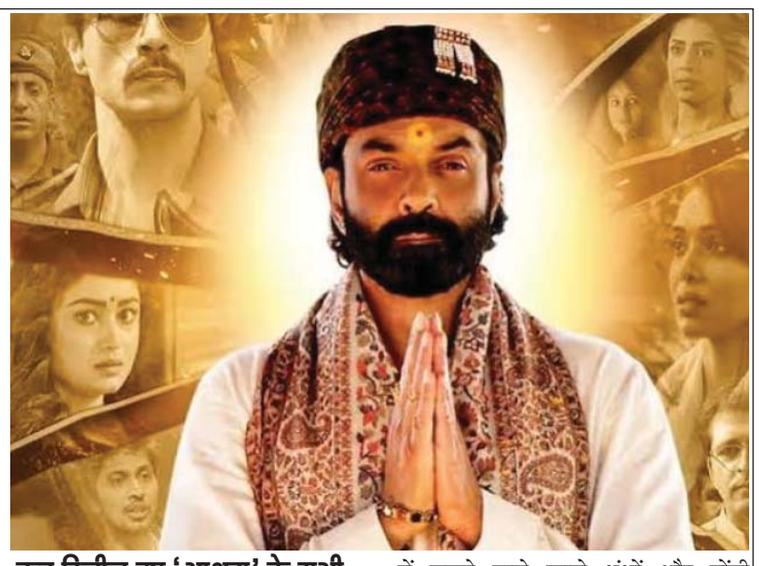

कब रिलीज हुए 'आश्रम' के सभी सीजन?

बता दें कि आश्रम (सीजन 1) 2020 में, आश्रम चैप्टर 2 (सीजन 2) 2020 में और आश्रम 3 (सीजन 3) 2022 में रिलीज हुई। सभी सीजन के निर्देशक प्रकाश झा हैं।

क्या है कहानी?

'आश्रम' एक मशहूर हिंदी क्राइम-ड्रामा वेब सीरीज है। यह कहानी धर्म की आड़ में चलने वाले काले धंधों और ढोंगी बाबाओं के पाखंड को उजागर करती है। इसमें दिखाई गई घटनाएं इसे दिलचस्प बनाती हैं।

'आश्रम' की स्टारकास्ट

'आश्रम' सीरीज में बॉबी देओल, अदिति पोहनकर और चंदन रॉय सान्याल मुख्य भूमिकाओं में हैं। इसके अलावा इसमें तुषार पांडे, दर्शन कुमार, अनुप्रिया गोयनका, त्रिधा चौधरी और विक्रम कोचर हैं।

बबीता सिंह रिपोर्टिंग का ट्रेलर हुआ जारी गहरे रहस्यों और थ्रिल से भरपूर है कहानी

अमेजन प्राइम वीडियो ने कुछ दिन पहले फिल्म बबीता सिंह रिपोर्टिंग का ऐलान किया था। ज्यादा इंतजार न कराते हुए इस एक्शन थ्रिलर का आधिकारिक ट्रेलर भी जारी कर दिया गया है, जिसमें बरुन सोबती, निमिषा सजयन और अंशुमान पुष्कर मुख्य किरदारों में हैं। खोजी-ड्रामा पर आधारित फिल्म की निर्देशक अंबिएका पंडित हैं, जबकि निर्माण सौरभ मल्होत्रा, मनुज मित्रा और टीना थारवानी ने अपनी कंपनी स्क्राड प्रोडक्शंस के बैनर तले किया है। इसकी कहानी अमिता व्यास द्वारा लिखी गई है।

ट्रेलर की शुरुआत बबीता सिंह उर्फ बेबी नाम की निर्लबित महिला पुलिसकर्मी से होती है। उसे अपने बचपन के दोस्त बंसी (बरुन) की रहस्यमयी हत्या का पता चलता है।

केस सुलझाने के दौरान बबीता का सामना कई गहरे और चौंकाने वाले रहस्यों से होता है, जो कहानी का आधार हैं।

ट्रेलर में व्यक्तिगत रिश्तों, संघर्ष, सस्पेंस और थ्रिल का जबरदस्त तड़का है, जो फिल्म देखने के लिए मजबूर करेगा।

यह 28 अगस्त, 2026 को प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी। इसके बाद वह सच्चाई का पता लगाने निकल पड़ती हैं और इस सफर में उन्हें खुद को समझने का एक अनोखा मौका मिलता है।

हत्या की जांच की पृष्ठभूमि पर बनी यह इन्वेस्टिगेटिव ड्रामा फिल्म वास्तविकता, बहुआयामी किरदारों और जटिल पारिवारिक रिश्तों को सामने लाती है। यह एक ऐसी महिला की भावनात्मक और सच्ची कहानी है, जो अपनी जिंदगी को बदलने वाले फैसलों का सामना करती है।

बबीता सिंह रिपोर्टिंग के एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर सुदीप शर्मा ने कहा, फिल्म की कहानी एक अपराध के इर्द-गिर्द घूमती है, लेकिन असल में यह एक ऐसी महिला की निजी यात्रा के बारे में है, जिसने हमेशा खुद को दूसरों के हिसाब से ढाला, दूसरों से मंजूरी चाही और अपनी ही जिंदगी में हमेशा पीछे रही।

क्या आप जानते हैं कि मच्छर क्यों होते हैं आपकी ओर आकर्षित?

शरीर की गंध

मच्छरों को उन लोगों की गंध बहुत आकर्षित करती है, जिनके शरीर से काफी ज्यादा पसीना आता है।

दरअसल, पसीने में मौजूद कुछ तत्व मच्छरों को अपनी ओर खींचते हैं। इसके अलावा जब आप तेज एक्सरसाइज करते हैं या दौड़ते हैं तो आपके शरीर से निकलने वाला पसीना भी मच्छरों को आकर्षित कर सकता है।

इसलिए शरीर की गंध का ध्यान रखें ताकि मच्छर आपको काटने के लिए आकर्षित न हो।

काले रंग के कपड़े

अगर आप काले रंग के कपड़े पहनना पसंद करते हैं तो आपको बता दें कि इससे भी मच्छर आपकी ओर आकर्षित होते हैं और वे आपको अपना शिकार बना ही लेते हैं।

दरअसल, काले रंग के कपड़े पहनने से आप ज्यादा गर्म महसूस कर सकते हैं क्योंकि गर्म वातावरण मच्छरों को आकर्षित करता है।

इसलिए अगर आप गर्म मौसम में काले रंग के कपड़े पहनते हैं तो आपको मच्छरों से ज्यादा खतरा होता है।

नमी और तापमान

मच्छर गर्म और नम वातावरण में तेजी से पनपते हैं। इसलिए बरसात के दौरान या गर्मियों में जब नमी ज्यादा होती है, तब मच्छरों का प्रकोप बढ़ जाता है। इसके अलावा उच्च तापमान भी मच्छरों की गतिविधि को बढ़ा सकता है। इसलिए बरसात में घर में घुसने वाले मच्छरों से बचाव के लिए घर की खिड़कियों और दरवाजों को बंद रखें और खुद को मच्छरों से बचाने के लिए कुछ उपाय जरूर अपनाएं।

फल और फूल

फल और फूल भी मच्छरों को अपनी ओर आकर्षित कर सकते हैं। दरअसल, फलों में मौजूद प्राकृतिक मिठास और फूलों की खुशबू मच्छरों को आकर्षित करती है।

इसलिए अगर आप अपने घर या आंगन में फलों के छिलके या फूल रख देते हैं तो इससे मच्छरों की संख्या बढ़ सकती है। हालांकि, अगर आपके घर में फल और फूल नहीं हैं तो मच्छरों को दूर रखने के लिए कुछ उपाय जरूर अपनाएं।

मच्छरों के काटने का अनुभव बहुत ही कष्टदायक और दर्दभरा होता है। यह सिर्फ एक असुविधा नहीं है बल्कि इससे कई स्वास्थ्य समस्याएं भी हो सकती हैं। इसलिए मच्छरों को घर के आसपास न भटकने दें। अगर आपको लगता है कि मच्छर आपको ज्यादा काटते हैं तो इसकी वजह जानना जरूरी है। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे कारण बताते हैं, जो आपको मच्छरों के काटने का मुख्य कारण बन सकते हैं।

नए लुक से मोनालिसा ने ढाया कहर टैटू ने खींचा फैंस का ध्यान

भोजपुरी स्टार मोनालिसा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वह अक्सर अपनी खूबसूरत तस्वीरों से अपने फैंस को हैरान कर देती हैं। अभिनेत्री ने एक नए लुक में अपनी तस्वीरें शेयर की हैं। इंस्टाग्राम पर उनके फैंस उनकी तारीफ कर रहे हैं।

नए लुक ने खींचा ध्यान

इंस्टाग्राम पर अभिनेत्री मोनालिसा ने जो तस्वीरें शेयर की हैं, उनमें देखा जा सकता है कि वह वेस्टर्न शॉर्ट ड्रेस पहना है। उनके सीने पर बना टैटू फैंस का ध्यान खींच रहा है। भोजपुरी स्टार ने हल्की ज्वेलरी और खुले बालों से अपने लुक को पूरा किया है।

कैप्शन में क्या है?

तस्वीरें शेयर करते हुए अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा 'अब तस्वीरें शेयर की हैं। ये बाकी रह गई थीं। मुझे लाइटें बहुत पसंद आईं।' आपको बता दें कि हाल ही में मोनालिसा एक प्रोग्राम में पहुंची। उन्होंने खास तौर से ये ड्रेस उस प्रोग्राम के लिए पहनी थी।

43 साल की मोनालिसा अपनी फिटनेस के लिए मशहूर हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक वह फिट रहने के लिए नियमित एक्सरसाइज करती हैं। मोनालिसा की तस्वीरों पर नेटीजंस तारीफ कर रहे हैं। यूजर्स उन्हें बहुत खूबसूरत बता रहे हैं।

मोनालिसा का वर्कफ्रंट

इन दिनों अभिनेत्री मिनी टीवी सीरीज 'लव टू हेट यू चैप्टर 2' में नजर आ रही हैं। बता दें कि यह सीरीज 04 अगस्त से ऑलराइट टीवी एप पर स्ट्रीम हो रही है। इसके नए एपिसोड हर मंगलवार, गुरुवार और शनिवार को प्रसारित होते हैं।

मोनालिसा के अलावा सीरीज में नियति फत्तनानी, हर्ष राजपूत और अभिमन्यु तोमर भी अहम भूमिकाओं में हैं।

खास-खबर

कलेक्टर रेना जमील के मार्गदर्शन में लोगों को मिल रही बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं

सूरजपुर। कलेक्टर रेना जमील के मार्गदर्शन एवं जिला प्रशासन के सहयोग से विश्रामपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफ र्म क्रमांक-02 पर इम्पैक्ट इंडिया फ ाउंडेशन की 256वीं लाइफ्लाइन एक्सप्रेस परियोजना के तहत 16 अगस्त से 05 सितंबर 2026 तक नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर संचालित किया जा रहा है। शिविर के माध्यम से जिले के दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों से पहुंच रहे जरूरतमंद मरीजों को विशेषज्ञ चिकित्सकीय परामर्श, जांच एवं आवश्यक उपचार की सुविधाएं सहजता से उपलब्ध कराई जा रही हैं। लाइफ लाइन एक्सप्रेस में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। आंखों की जांच एवं मोतियाबिंद सर्जरी, कान की जांच एवं सर्जरी, 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों के मुड़े हुए हाथ-पैर की जांच एवं सर्जरी, प्लास्टिक सर्जरी, दांतों की जांच एवं उपचार तथा महिलाओं के स्तन एवं गर्भाशय ग्रीवा कैंसर की जांच एवं स्क्रीनिंग जैसी स्वास्थ्य सेवाएं नि:शुल्क उपलब्ध हैं। प्रतिदिन सुबह 09:00 बजे से शाम 04:00 बजे तक ओपीडी संचालित हो रही है।

राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम अंतर्गत टीबी उन्मूलन के लिए 5 पायलेट ग्रामों का चयन

राजनांदगांव। राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम अंतर्गत टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत जिले में टीबी उन्मूलन हेतु 5 पायलेट ग्रामों का चयन किया गया है। टीबी उन्मूलन हेतु चयनित पायलेट ग्रामों में छुरिया विकासखंड के ग्राम मासुल, राजनांदगांव विकासखंड (घुमका) के ग्राम खैरझिटी एवं बुंदेलीकला, डोंगरगांव विकासखंड के ग्राम करमतरा, डोंगरगढ़ विकासखंड के ग्राम मुसराकला शामिल है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नेतराम नवरतन ने बताया कि राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम अंतर्गत टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत चयनित ग्रामों में टीबी उन्मूलन के लिए माय भारत वालंटियर्स एवं एनसीसी केडेट के सहयोग से नुक्कड़ नाटक, घर-घर सर्वे, दिवाल लेखन, ग्रामसभा का आयोजन किया जाएगा। राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के तहत भारत वालंटियर्स एवं एनसीसी केडेट को 5 दिसवीय प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। साथ ही समुदाय में मितानिनों के साथ समन्वय कर ग्राम को टीबी मुक्त बनाने हेतु विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएगी। जिला क्षय अधिकारी डॉ. अल्पना लुनिया ने बताया कि पायलट ग्रामों हेतु कुल 25 माय भारत वालंटियर्स एवं 25 एनसीसी केडेट का चयन किया गया है। उन्हें जिला अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं आयुष्मान आरोग्य मंदिर में होने वाले गतिविधियों से अवगत कराया गया है। माय भारत वालंटियर्स एवं एनसीसी केडेट द्वारा चयनित ग्रामों में समय-समय पर टीबी जन जागरूकता संबंधी विविध प्रकार की गतिविधियां की जायेगी।

बिहान से ग्रामीण परिवारों को मिल रहा आत्मनिर्भरता का नया आधार, मछली पालन से बढ़ेंगे आजीविका के अवसर

मंत्री राजेश अग्रवाल ने लखनपुर में मछली बीज वितरण कार्यक्रम में की सहभागिता, महिला स्व-सहायता समूहों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने पर दिया जोर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' एवं आकांक्षी विकासखण्ड कार्यक्रम के अंतर्गत जनपद पंचायत लखनपुर के तत्वावधान में ग्राम पंचायत स्तरीय मछली बीज वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने सहभागिता करते हुए ग्रामीण परिवारों को आजीविका के नए अवसरों से जोड़ने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करना और गांव के लोगों को अपने ही क्षेत्र में रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराना राज्य सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' के माध्यम से ग्रामीण परिवारों, विशेषकर महिलाओं को संगठित कर उन्हें आर्थिक गतिविधियों से जोड़ने का कार्य निरंतर किया जा रहा है। मछली पालन जैसे स्थानीय संसाधन आधारित व्यवसाय ग्रामीण परिवारों की आय बढ़ाने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास है कि ग्रामीण क्षेत्रों में उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों और स्थानीय कौशल का बेहतर उपयोग करते हुए अधिक से अधिक परिवारों को स्थायी आजीविका से जोड़ा जाए। मछली बीज वितरण जैसी पहल से ग्रामीणों को मछली पालन के लिए आवश्यक आधार मिलेगा और वे इसे आर्थिक गतिविधि के रूप में विकसित कर अपनी आय में वृद्धि कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि महिलाओं की आर्थिक भागीदारी बढ़ने से न केवल परिवार मजबूत होता है, बल्कि पूरे गांव की अर्थव्यवस्था को नई गति मिलती है।

श्री अग्रवाल ने कहा कि महिला स्व-सहायता समूह 'बिहान' अभियान की सबसे बड़ी ताकत हैं। समूहों के माध्यम से महिलाएं बचत, ऋण, स्वरोजगार और विभिन्न आयमूलक गतिविधियों से जुड़कर आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रही हैं। शासन की योजनाओं का लाभ इन समूहों तक पहुंचाकर उन्हें कृषि, पशुपालन, मछली पालन, लघु उद्यम तथा अन्य स्थानीय आर्थिक गतिविधियों से जोड़ने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि आकांक्षी विकासखण्ड कार्यक्रम के माध्यम से विकास की दृष्टि से प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, कृषि, कौशल विकास और आजीविका के क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव लाने के प्रयास किए जा रहे हैं। सरकार की मंशा है कि विकास की मुख्यधारा से गांव का प्रत्येक परिवार जुड़े और स्थानीय स्तर पर ही आय के पर्याप्त साधन विकसित हों।

मंत्री श्री अग्रवाल ने ग्रामीणों से शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान करते हुए कहा कि योजनाओं का वास्तविक उद्देश्य तभी पूरा होगा, जब उनका लाभ अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंचे और वह अपने पैरों पर खड़ा हो सके। उन्होंने मछली पालन से जुड़े हितग्राहियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पहल आने वाले समय में ग्रामीण परिवारों की आर्थिक स्थिति मजबूत करने में सहायक सिद्ध होगी।

कार्यक्रम के दौरान मछली पालन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ग्रामीण हितग्राहियों को मछली बीज का वितरण किया गया। ग्रामीणों ने इस पहल के लिए राज्य सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार की योजनाओं से उन्हें अपने गांव में ही आय का नया साधन प्राप्त हो रहा है। कार्यक्रम में लुंड्रा विधायक प्रबोध मिंज सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, संबंधित विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, महिला स्व-सहायता समूहों की सदस्याएं तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

चूजों से बढ़ेगी ग्रामीण परिवारों की आमदनी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। ग्रामीण परिवारों और महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए पशुधन विकास विभाग द्वारा बैकयार्ड कुक्कुट पालन योजना' चलाई जा रही है। इस योजना के तहत हितग्राहियों को कम कीमत या नि:शुल्क उन्नत नस्ल के चूजे और मुर्गी दाना वितरित किया जाता है, जिससे ग्रामीण अपनी आय बढ़ा सकें।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की संवेदनशील पहल के अनुरूप राज्य सरकार ग्रामीण परिवारों को स्वरोजगार से जोड़कर उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। इसी दिशा में सुकमा जिले में पशुधन विकास विभाग द्वारा ग्रामीण परिवारों को कुक्कुट पालन से जोड़ने के लिए नि:शुल्क चूजे और दाना वितरित किए गए।

कलेक्टर अमित कुमार के निर्देशन और पशुधन विकास विभाग के उपसंचालक डॉ. संदीप इंदुरकर के मार्गदर्शन में गादीरास क्षेत्र के ग्राम मनकापाल, नागलगुंडा, सोनाकूकानार, डोडपाल, कोर्रा और गादीरास में हितग्राहियों को कुक्कुट इकाई के तहत 45-45 चूजे और 10 किलोग्राम दाना नि:शुल्क प्रदान किया गया। इस दौरान महिला समूहों की सदस्य भी मौजूद रहीं।

नि:शुल्क चूजे और दाना मिलने से ग्रामीण परिवारों को घर पर ही कुक्कुट पालन शुरू करने का अवसर मिला है। इससे उन्हें अतिरिक्त आय का साधन मिलेगा और परिवारों की आर्थिक स्थिति मजबूत होने की उम्मीद है। साथ ही, स्थानीय स्तर पर कुक्कुट पालन को भी बढ़ावा मिलेगा।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार की प्राथमिकता है कि ग्रामीण क्षेत्रों के परिवारों को उनकी स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप रोजगार और आजीविका के अवसर उपलब्ध कराए जाएं। पशुधन विकास विभाग की यह पहल इसी सोच को धरातल पर साकार कर रही है।

हितग्राहियों को प्रशिक्षण और मार्गदर्शन भी

विभाग द्वारा हितग्राहियों को चूजों के पालन-पोषण, दाने, स्वास्थ्य और देखभाल से संबंधित आवश्यक जानकारी भी दी जा रही है, ताकि वे कुक्कुट पालन को व्यवस्थित तरीके से आगे बढ़ा सकें और इसका स्थायी लाभ प्राप्त कर सकें। चूजा वितरण कार्य को सफल बनाने में पशु चिकित्सालय सुकमा के डॉ. टेकेश्वर, भुवाल नेताम सहित पशु चिकित्सालय गादीरास और मोबाइल वेटरनरी यूनिट की टीम का विशेष सहयोग रहा। यह पहल ग्रामीण परिवारों को आत्मनिर्भर बनाने और गांवों में आजीविका के नए अवसर पैदा करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हो रही है।

जल संचय जन भागीदारी 2.0 में रायगढ़ की बड़ी उपलब्धि

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन एवं भू-जल संवर्धन को जनभागीदारी के माध्यम से जनआंदोलन का स्वरूप देने की दिशा में रायगढ़ जिले ने जल संचय जन भागीदारी (जेएसजेबी) 2.0 के अंतर्गत उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। 27 मई 2026 की रिपोर्ट के अनुसार जिले में विभिन्न विभागों एवं संस्थाओं द्वारा कुल 31,157 जल संरक्षण एवं जल संवर्धन कार्य दर्ज किए गए हैं।

इनमें से 29,947 कार्य पूर्ण हो चुके हैं तथा 1,210 कार्य प्रगतिरत हैं। यह उपलब्धि जिले में जल संरक्षण के प्रति विभागीय समन्वय, ग्राम स्तर पर कार्यों के प्रभावी क्रियान्वयन तथा जनभागीदारी की मजबूत भावना को प्रदर्शित करती है।

जेएसजेबी 2.0 के अंतर्गत जिला पंचायत, वन विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, कृषि विभाग, उद्योग विभाग, नगरीय निकाय एवं जल संसाधन विभाग सहित विभिन्न विभागों ने जल संरक्षण एवं भू-जल संवर्धन के कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

रिपोर्ट के अनुसार जिला पंचायत द्वारा सर्वाधिक 22,906 कार्य दर्ज किए गए, जिनमें 21,929 कार्य पूर्ण हैं। वन मंडल रायगढ़ द्वारा 3,971, वन मंडल धरमजयगढ़ द्वारा 2,342, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा 1,185, नगर निगम द्वारा 328 तथा जल संसाधन विभाग के रायगढ़ एवं धरमजयगढ़ संभाग द्वारा क्रमश: 92 एवं 102 कार्य दर्ज किए गए। ग्राम स्तर पर जल संरक्षण एवं जल संवर्धन को बढ़ावा देने के लिए वीबी-जीराम जी एवं मनरेगा के माध्यम से कुल 1,332 जल संरक्षण कार्य लिए गए हैं।

बैगलेस डे में रचनात्मकता के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश

श्रीकंचनपथ न्यूज

सूरजपुर। जिले के विद्यालयों में बैगलेस डे के अवसर पर विद्यार्थियों को सीखने के साथ रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ने के उद्देश्य से विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए। कलेक्टर रेना जमील के मार्गदर्शन एवं जिला शिक्षा अधिकारी लता बेक के निर्देशन में आयोजित गतिविधियों में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई।

माध्यमिक एवं प्राथमिक शाला तीवरागुड़ी, माध्यमिक शाला पस्ता तथा माध्यमिक शाला पंपानगर में राखी बनाओ प्रतियोगिता आयोजित की गई। विद्यार्थियों ने कागज एवं अन्य पर्यावरण अनुकूल सामग्री से आकर्षक राखियां तैयार कर अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण, रचनात्मकता और स्थानीय स्तर पर उपलब्ध संसाधनों के सदुपयोग का संदेश दिया गया। बैगलेस डे के अंतर्गत विद्यालयों में संचालित पोषण वाटिकाओं की नींदाई-गुड़ाई एवं रखरखाव की गतिविधियां भी कराई गईं। विद्यार्थियों ने विद्यालय परिसर की स्वच्छता में सहभागिता करते हुए खरपतवार का उन्मूलन किया और स्वच्छ एवं सुंदर विद्यालय परिसर का संदेश दिया। कार्यक्रमों की सतत मॉनिटरिंग जिला मिशन समन्वयक डीएमसी मनोज साहू , सहायक संचालक शिक्षा अजय सिंह सहित एडीपीओ समग्र शिक्षा, विकासखंड शिक्षा अधिकारी, सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी, विकासखंड स्त्रोत समन्वयक, संकुल प्राचार्य एवं संकुल समन्वयकों द्वारा की जा रही है। विद्यार्थियों में रचनात्मक सोच, पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता, स्वच्छता की आदत और सामुदायिक सहभागिता की भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

दूरस्थ क्षेत्रों में तैनात जवानों तक पहुंचेगा बहनों का स्नेह

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सुरक्षा व्यवस्था और सरहद पर तैनात वीर जवानों के प्रति सम्मान, स्नेह और कृतज्ञता प्रकट करने के लिए रक्षाबंधन के अवसर पर 'राखी से रक्षा' जैसे विशेष अभियान चलाए जाते हैं। इस अनूठी पहल के तहत देश के आम नागरिक, महिलाएं, स्कूली छात्र और सामाजिक संगठन मिलकर सैनिकों के लिए राखियां भेजते हैं।

रक्षाबंधन के पावन पर्व पर सुकमा जिला प्रशासन ने सुरक्षा में तैनात जवानों के प्रति सम्मान और अपनत्व की अनूठी पहल की है।

जिला महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जिले में 'रक्षा सूत्र' अभियान चलाया गया। अभियान के तहत शुक्रवार को पुलिस जवानों के लिए राखियां भेंट की गईं, जिन्हें जिले के सुदूर और दुर्गम क्षेत्रों में तैनात जवानों तक पहुंचाया जाएगा। परिवार से दूर रहकर दिन-रात कर्तव्य निभा रहे जवानों के लिए यह पहल विशेष महत्व रखती है। रक्षाबंधन के अवसर पर उनके हाथों तक राखी पहुंचाकर उन्हें बहनों के स्नेह, शुभकामनाओं और आशीर्वाद का एहसास कराया जाएगा। यह पहल जवानों के त्याग, समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा के प्रति सम्मान की भावपूर्ण अभिव्यक्ति है। 'रक्षा सूत्र' अभियान के माध्यम से जिला प्रशासन ने जवानों के साथ सामाजिक जुड़ाव और अपनत्व का संदेश दिया है। प्रशासन का कहना है कि सुरक्षा व्यवस्था में तैनात जवान समाज की रक्षा के लिए कठिन परिस्थितियों में भी अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हैं। ऐसे में रक्षाबंधन के पर्व पर उनके प्रति स्नेह और सम्मान व्यक्त करना समाज की जिम्मेदारी है।

नेत्रदान को बढ़ावा देने के लिए अम्बेडकर अस्पताल में राज्य स्तरीय कार्यशाला आयोजित

नेत्रदान से जुड़े स्वास्थ्यकर्मियों को दिया गया व्यापक प्रशिक्षण, संरक्षण एवं दस्तावेजीकरण पर विशेष जोर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। क्षेत्रीय नेत्र अनुसंधान संस्थान एवं नेत्र रोग विभाग, पं. जवाहर लाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय, रायपुर द्वारा नेत्रदान प्रक्रियाओं पर नवीनतम जानकारी विषय पर एक दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का आयोजन टेलीमेडिसिन हॉल, डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय, रायपुर में किया गया।

यह कार्यशाला प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए नेत्र सहायक अधिकारियों एवं सहायक नेत्रदान अधिकारियों के लिए आयोजित की गई। स्वास्थ्य सेवाएं संचालनालय द्वारा 32 जिलों से प्रतिभागियों का नामांकन किया गया तथा नामांकन अनुसार प्रदेश के विभिन्न जिलों से 100 से अधिक प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण में भाग लिया।

स्वास्थ्य मंत्री की प्रेरणा से शुरू हुई पहल: कुछ माह पूर्व चिकित्सा महाविद्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में स्वास्थ्य मंत्री श्री श्यामबिहारी जायसवाल ने श्रीलंका में नेत्रदान की उच्च दर का उल्लेख करते हुए प्रदेश में नेत्रदान को और अधिक बढ़ावा देने की आवश्यकता पर जोर दिया था। उन्होंने विभाग को इस दिशा में ठोस पहल करने के लिए प्रेरित किया था। इसी प्रेरणा को आगे बढ़ाते हुए क्षेत्रीय नेत्र अनुसंधान संस्थान द्वारा यह कार्यशाला आयोजित करने की पहल की गई। राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़े (25 अगस्त से 8 सितम्बर) के प्रारंभ होने से पहले नेत्रदान से जुड़े स्वास्थ्यकर्मियों को व्यापक एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण देने का निर्णय लिया गया, ताकि वे अपने-अपने कार्यक्षेत्र में नेत्रदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने और संभावित दाताओं के परिवारों की प्रभावी काउंसलिंग करने में सक्षम हो सकें।

नेत्रदान की पूरी प्रक्रिया पर व्यावहारिक प्रशिक्षण: प्रशिक्षण के दौरान नेत्रदान हेतु शोकग्रस्त परिवारों से संवाद एवं काउंसलिंग, परिवार की आशंकाओं एवं भ्रांतियों का समाधान, डोनर चयन एवं मेडिकल स्क्रीनिंग, कॉर्निया प्राप्त करने की तकनीक, ऊतक संरक्षण, कोल्ड चेन एवं सुरक्षित परिवहन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया।

इसके साथ ही कन्सेंट फॉर्म , डेथ सर्टिफिकेट एवं आई बैंक रिकॉर्ड्स सहित आवश्यक दस्तावेजीकरण पर भी जानकारी दी गई। वास्तविक मामलों पर चर्चा, इंटरैक्टिव क्विज तथा महाविद्यालय के छात्र छात्राओं द्वारा कठिन परिस्थितियों में परिवारों से संवाद एवं परामर्श हेतु रोल प्ले के माध्यम से प्रतिभागियों को व्यावहारिक जानकारी दी गई।

कार्यशाला की विशेषता यह रही कि इसमें केवल सैद्धांतिक जानकारी तक सीमित न रहकर हैंड्स-ऑन एवं डेमोंस्ट्रेशन आधारित प्रशिक्षण पर विशेष जोर दिया गया। एन्यूक्लिएशन (नेत्रगोलक निकालने) की वीडियो डेमोंस्ट्रेशन, इन-सिटू कॉर्नियोस्क्लेरल रिम की तैयारी एवं संरक्षण, काउंसलिंग सत्र, डॉक्यूमेंटेशन तथा मॉइस्ट चैंबर **(Enucleation, in-situ corneoscleral rim retrieval, preservation, transport, counselling, documentation ÌÍæ moist chamber)** तैयार करने की प्रक्रिया प्रदर्शित की गई। कार्यशाला के सफल आयोजन में महाविद्यालय के डीन डॉ. विवेक चौधरी के मार्गदर्शन एवं सहयोग की महत्वपूर्ण भूमिका रही। साथ ही अधीक्षक डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय, डॉ. संतोष सोनकर द्वारा कार्यशाला के लिए व्यवस्थागत सहयोग एवं अन्य संबंधित सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। सक्रिय प्रशासनिक सहयोग से इतने बड़े राज्य स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का सुचारु संचालन संभव हो सका।

नेशनल लोक अदालत 12 सितम्बर को

कोरबा। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोरबा के मार्गदर्शन में 12 सितम्बर 2026 को आयोजित होने वाले नेशनल लोक अदालत के सफल क्रियान्वयन के संबंध में गठित पैनल की अध्यक्षता में नगर निगम कोरबा, छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनियों एवं विभिन्न बैंकों के पदाधिरियों के साथ राजीनामा योग्य प्रकरणों को प्री-लिटिगेशन प्रकरणों के रूप में प्रस्तुत कर निराकरण कराये जाने के संबंध में बैठक आयोजित की गई। बिल/बकाया राशि तथा बैंकों से संबंधित ऋण एवं वसूली के प्रकरणों को नेशनल लोक अदालत के माध्यम से सुलह समझौते से निराकृत किये जाने पर जोर दिया गया।

खास खबर

त्योहारों से पहले ट्रैफिक पुलिस का एक्शन

जगदलपुर। जगदलपुर में त्योहारों का सीजन शुरू होते ही शहर की सड़कों पर यातायात का दबाव बढ़ने लगा है। जहां यातायात पुलिस यातायात व्यवस्था में किसी तरह की रुकावट न हो, इसके लिए लगातार प्रयास कर रही है, वहीं शहर के युवा वर्ग में तेज रफ्तार और यातायात नियमों की अनदेखी के मामले भी सामने आ रहे हैं। कई लोग तीन सवारी के साथ-साथ बिना हेलमेट पहने शहर की सड़कों पर वाहन दौड़ा रहे थे। इस पर पुलिस ने शिकंजा कसते हुए 100 से अधिक वाहनों के खिलाफकार्रवाई की। बिना हेलमेट, तीन सवारी, बिना नंबर प्लेट और वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल करने वाले वाहन चालकों पर कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान करीब 100 लोगों के खिलाफ चालानी कार्रवाई करते हुए 45,700 रुपये का जुर्माना वसूला गया। वाहन चालकों से यातायात नियमों का पालन करने, हेलमेट पहनने और वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल नहीं करने की अपील की है।

पिकअप-ट्रक की भिड़ंत में तीन मजदूरों की मौत

बलरामपुर। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले में शुक्रवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे ने तीन परिवारों की खुशियां छीन लीं। राजपुर-कुसमी मार्ग पर सेवारी के पास मजदूरों से भरी पिकअप और बाक्साइट लदे ट्रक के बीच आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में पिकअप सवार तीन मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि सात अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को बेहतर इलाज के लिए अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर किया गया है। वहां डॉक्टरों ने रान साय (34), उदय कुमार (25) और अमर साय (35) को मृत घोषित कर दिया। तीनों को सिर और सीने में गंभीर चोटें आई थीं। हादसे में देव कुमार, भानू, अमर साय, लक्ष्मण, अजय कुमार, राय सिंह और प्रदीप घायल हुए हैं। प्राथमिक उपचार के बाद सभी को अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज भेजा गया, जहां उनका इलाज जारी है। बताया जा रहा है कि घायलों में कम से कम चार की हालत बेहद गंभीर है।

कन्या महाविद्यालय में चोरी की वारदातों का खुलासा तीन आरोपी गिरफ्तार

कोरबा। कोरबा में शासकीय मिनीमाता कन्या महाविद्यालय में हुई चोरी की दो वारदातों का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। थाना कोतवाली अंतर्गत पुलिस सहायता केंद्र मानिकपुर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से चोरी किया गया एल्यूमिनियम फ्रेम और घटना में प्रयुक्त लोहे का सब्बल जब्त किया गया है। मिली जानकारी के अनुसार, मिनीमाता कन्या महाविद्यालय की इमारत को निशाना बनाकर अज्ञात चोरों ने प्रवेश कर पुरानी एल्यूमिनियम की खिड़कियां चोरी कर ली थीं। इस संबंध में मानिकपुर चौकी में अपराध क्रमांक 685/2026 और 687/2026 के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की गई।

रायगढ़ में वन्यप्राणी का शिकार करने करंट तार बिछायाः चपेट में आकर 2 मवेशियों की मौत

श्रीकंचनपथ समाचार

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में जंगली सुअर का शिकार करने के लिए शिकारियों ने वन क्षेत्र से गुजर रहे 11 केवी हाईटेंशन तार से हुकिंग कर जीआई तार बिछाया था। इसकी चपेट में आने से दो पालतू गायों की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने के बाद वन विभाग ने जांच शुरू की और एक आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

मामला रेंगालपाली सर्किल के छोटे हरदी वन क्षेत्र का है। वन विभाग को सूचना मिली थी कि छोटे हरदी वन क्षेत्र के कक्ष क्रमांक 1026 ओए में 11 केवी विद्युत हाईटेंशन लाइन से जीआई तार जोड़कर वन्यप्राणी जंगली सुअर का शिकार करने के लिए करंट प्रवाहित तार बिछाया गया है। सूचना के बाद वन अमले की टीम मौके पर पहुंची और जांच की। इस दौरान मौके से जीआई तार बरामद हुआ। जांच में सामने आया कि इसी तार की चपेट में आने से दो पालतू गायों की करंट लगने से मौत हो गई थी। गौरांग गुप्ता (34), कृष्ण यादव, कुश कुमार सांवरा और उमेश गुप्ता, सभी निवासी छोटे हरदी, संदिग्ध के रूप में सामने आए। इसके बाद वन अमले ने शनिवार को चारों संदिग्धों के घर दबिश दी। चारों को पूछताछ के लिए वन परिक्षेत्र कार्यालय लाया गया।

संदिग्धों से पूछताछ में उमेश, कृष्ण और कुश कुमार ने बताया कि गौरांग ने वन्यप्राणी के शिकार के लिए 11 केवी विद्युत लाइन से जीआई तार की हुकिंग कर उसे वन क्षेत्र में बिछाया था। वन अमले ने गौरांग से पूछताछ की, जिसमें उसने अपना अपराध स्वीकार कर लिया। वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 के उल्लंघन के मामले में धारा 9, 39, 50, 51 और 52 के तहत कार्रवाई करते हुए गौरांग को गिरफ्तार किया। न्यायालय में पेश किया गया, जहां से न्यायालय ने उसे रिमांड पर जेल भेज दिया।

खुद ठगा गया तो बन गया ठग

वॉश एंड वॉश स्कैम गैंग ने 100 से ज्यादा लोगों से 100 करोड़ रुपए ठगे

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राजधानी में बालोद के युवा कारोबारी उमेश गुप्ता से 1.13 करोड़ रुपए की ठगी करने वाले वॉश एंड वॉश स्कैम गैंग के सरगना समेत 7 आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी गुजरात के दो कारोबारियों से 4.20 करोड़ रुपए ठगने के लिए उन्हें पुणे के खंडाला बुला चुके थे। झांसा देने के लिए 3.25 लाख रुपए में आलीशान रिसॉर्ट किराए पर लिया था। इसी दौरान रायपुर क्राइम ब्रांच ने छापा मारकर आरोपियों को पकड़ लिया।

पुलिस को देखकर आरोपियों ने भागने की कोशिश की, लेकिन घेराबंदी कर सभी को दबोच लिया गया। शनिवार सुबह उन्हें रायपुर लाया गया। आरोपियों से ब्लैक पेपर, 17 मोबाइल, कांच की प्लेट समेत अन्य सामान जब्त किया गया है। डीसीपी क्राइम राजनाला स्मृतिक ने बताया कि गुरुग्राम निवासी ज्ञान प्रकाश उर्फ योगी (46) गिरोह का सरगना है। उसने बनारस, उत्तरप्रदेश के प्रवीण श्रीवास्तव उर्फ कैप्टन उर्फ रेड्डी (52) और मनोज श्रीवास्तव उर्फ बड़े सर उर्फ बॉस (55) के साथ गिरोह शुरू किया था। धीरे-धीरे अन्य लोग जुड़ते गए। वॉश एंड वॉश और ब्लैक करेंसी के नाम से जाना जाने वाला यह गिरोह 2005 से सक्रिय है। प्रारंभिक जांच में 100 से ज्यादा लोगों से 100 करोड़ रुपए से अधिक की ठगी का खुलासा हुआ है।

दाऊद से कनेक्शन का दावा, फिल्मी ड्रामा कर डराया आरोपियों ने उमेश को डराने के लिए डी कंपनी यानी दाऊद इब्राहिम से कनेक्शन होने का झांसा दिया। ब्लैक पेपर और कांच का बर्न तोड़कर बताया कि उसमें महंगा केमिकल था, जिसे अमेरिका से मंगाने के बाद ही नोट बनेंगे। कांच तोड़ने वाले से मारपीट का नाटक भी किया। आरोपी झांसा देने के लिए फाइव स्टार होटल या बड़े रिसॉर्ट में ठहरते और काली ड्रेस में गनमैन रखते थे।

मुंबई और वाराणसी में जेल जा चुके हैं आरोपी प्रवीण और मनोज श्रीवास्तव ठगी के मामलों में मुंबई में जेल जा चुके हैं। मनोज को बनारस पुलिस भी गिरफ्तार कर चुकी है। गिरोह ने छत्तीसगढ़ के अलावा नोएडा, पुणे, बड़ौदा, उदयपुर और दिल्ली समेत कई शहरों में वारदातें की हैं। 25 लाख की ठगी, फिर बनाया गिरोह पुलिस के अनुसार, ज्ञान प्रकाश करीब 20 साल पहले खुद नोट दोगुना करने के झांसे में आकर 25 लाख रुपए गंवा चुका था। इसके बाद वह इसी तरह ठगी करने वाले गिरोह से जुड़ा और बाद में खुद का गिरोह बनाकर देशभर में वारदातें करने लगा।

फ्लाइट से बुलाते और पार्टी भी कराते पुलिस जांच में पता चला कि गैंग मोटी रकम ठगने के लिए शिकार पर पैसा भी खर्च करता था। उमेश को नागपुर, मुंबई और बेंगलुरु बुलाकर तीन-तीन दिन ठहराया गया। फ्लाइट टिकट, टैक्सी और होटल का खर्च गैंग ने उठाया। पर्यटन स्थलों पर घुमाया और रात में पार्टी भी कराई। भरोसा होने पर उमेश ने 1.13 करोड़ रुपए दे दिए। यही नहीं उमेश नागपुर से कांच का बर्न लेकर रायपुर आया था। उसे बताया गया था कि उसके 1.13 करोड़ रुपए केमिकल में डुबोकर रखे गए हैं। उसने एक माह तक बर्न नहीं खोला। उमेश ने जब पुलिस के कहने पर खोला तो उसमें काले कागज मिले।

ठगों ने उमेश को 10 करोड़ रुपए की व्यवस्था करने पर 45 करोड़ रुपए देने का वादा किया था। उमेश ने पहले 25 लाख देने की बात कही तो आरोपी रायपुर आकर नोटों की गड्डियां देखकर गया । इसी तरह पांच बार लोग रायपुर आए और रकम की जांच की।

जानिए, गैंग में किसकी क्या भूमिका

ज्ञान प्रकाश उर्फ योगीः मास्टरमाइंड, पुलिस को झांसा देने के लिए मेडिटेशन की ऑनलाइन क्लास लेता है। प्रवीण श्रीवास्तवः कैप्टन, रेड्डी और शेट्टी बनकर मिलता, शिकार फंसाने की प्लानिंग करता है। मनोज श्रीवास्तवः बड़े सर और बॉस के नाम से जाना जाता, पहले शिकार से मिलता है। शुभम पांडेयः होटल-रिसॉर्ट बुकिंग और मीटिंग आयोजित करता है। योगेंद्र चौहानः खुद को विधायक बताता है। बालमुकुंद दीक्षितः फर्जी कारोबारी बनकर गैंग को पैसा देने का ड्रामा करता है। विवेक सिंहः केमिकल में नोट डालता है, शिकार के सामने इसकी पिटाई का नाटक होता है।

आकाशीय बिजली का कहर, बैगा दंपती की मौत

बच्चे पड़ोसी के घर होने से बाल-बाल बचे

श्रीकंचनपथ समाचार

गौरेला पेंड्रा मरवाही। मरवाही थाना क्षेत्र के कटरा गांव के ढपनीपानी इलाके में तेज बारिश के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से बैगा दंपती मंगल सिंह (46) और बिरस्पतिया बाई (43) की मौत हो गई। घटना के समय उनके बच्चे पड़ोसी के घर पर थे, जिससे वे सुरक्षित बच गए।

जानकारी के अनुसार, कटरा गांव से दूर जंगल में नदी के पास घर बनाकर रहने वाले मंगल सिंह पिता माधो (46) और उनकी पत्नी बिरस्पतिया बाई (43) अपने घर पर मौजूद थे। बिरस्पतिया बाई घर के अंदर खाना बनाने की तैयारी कर रही थीं, जबकि मंगल सिंह पास ही बैठे हुए थे। इसी दौरान अचानक तेज बारिश शुरू हुई और जोरदार आकाशीय बिजली उनके घर के आसपास गिरी। बिजली की चपेट में आने से दोनों गंभीर रूप से झुलसकर अचेत हो गए।

बताया गया कि दंपती के बच्चे घटना के समय घर से कुछ दूरी पर पड़ोसी के घर में थे, जिसके कारण वे बाल-बाल बच गए। परिजनों और ग्रामीणों की नजर जब मंगल सिंह और बिरस्पतिया बाई पर पड़ी तो तत्काल दोनों को डायल 108 एंबुलेंस की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मरवाही ले जाया गया। अस्पताल में डॉक्टरों ने जांच के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया।

घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। शवों को पोस्टमार्टम सहित अन्य कानूनी प्रक्रिया के बाद परिजनों को सौंपे जाने की कार्रवाई की जा रही है। एक ही परिवार के दो सदस्यों की आकाशीय बिजली की चपेट में आने से मौत की घटना से गांव में शोक का माहौल है। ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को नियमानुसार आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है।

वहीं, मामले में एसडीपीओ मरवाही अजय शंकर त्रिपाठी का कहना है कि अस्पताल से मिले मेमो के आधार पर मर्ग कायम कर मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

बहू पर फावड़े से जानलेवा हमला ससुर को 10 साल की सजा

सरगुजा। सरगुजा जिले के लुण्ड्रा थाना क्षेत्र के गेरसा महुआपारा गांव में बहू पर जानलेवा हमला करने वाले आरोपी ससुर को अदालत ने 10 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। द्वितीय अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, अंबिकापुर ने आरोपी पेरवा राम उर्फ प्रेमा राम (60) को भारतीय न्याय संहिता की धारा 109(1) के तहत दोषी ठहराते हुए एक हजार रुपये के अर्थदंड से भी दंडित किया है। अर्थदंड नहीं देने पर उसे तीन माह का अतिरिक्त कठोर कारावास भुगतना होगा।

मामला 14 जुलाई 2025 का है। पुलिस के अनुसार खेती-बाड़ी को लेकर परिवार में विवाद हुआ था। इसी दौरान आरोपी ने अपनी बहू अनिता कुजूर पर फावड़े से हमला कर दिया। सिर के पिछले हिस्से में गंभीर चोट लगने के बाद अनिता मौके पर ही बेहोश होकर गिर गई थी। विवेचना के दौरान पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया और उसकी निशानदेही पर हमले में इस्तेमाल फावड़ा बरामद किया। घटनास्थल से खून लगी मिट्टी और सामान्य मिट्टी के नमूने भी लिए गए, जिन्हें एफएसएल जांच के लिए भेजा गया। हथियार का क्यूरी परीक्षण भी कराया गया। मामले की जांच तत्कालीन एएसआई एसआर साहू ने की थी। पुलिस ने 7 अक्टूबर 2025 को अभियोग पत्र न्यायालय में पेश किया। सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने 15 गवाहों के बयान और 35 भौतिक साक्ष्य अदालत के सामने रखे। परिस्थितिजन्य और वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर न्यायालय ने आरोपी को दोषी माना।

अदालत ने पीड़िता को लगी गंभीर चोट और उसके दीर्घकालीन प्रभाव को देखते हुए उचित प्रतिकर उपलब्ध कराने की अनुशंसा की है। न्यायालय ने बीएनएसएस की धारा 395 और 396 के प्रावधानों के तहत पीड़िता को मुआवजा दिलाने की सिफारिश की।

ओडिशा से 4 किलो गांजा लेकर यूपी जा रहे, महिला समेत 2 तस्कर गिरफ्तार, 10 लाख की संपत्ति जब्त

श्रीकंचनपथ समाचार

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में लैलूंगा पुलिस ने गांजा तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उत्तर प्रदेश के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मामला लैलूंगा थाना क्षेत्र का है। मुखबिर से सूचना मिली थी कि सफेद रंग की बोलेरो में ओडिशा से गांजा लेकर तस्कर लैलूंगा-पत्थलगांव के रास्ते उत्तर प्रदेश जा रहे हैं। सूचना के बाद पुलिस टीम ने संदिग्ध वाहनों की निगरानी शुरू की।

इसी दौरान बताए गए रास्ते पर बाइक सवार संदिग्ध व्यक्ति दिखाई दिया। वह बोलेरो की पायलटिंग कर रहा था। पुलिस को देखकर उसने भागने की कोशिश की, लेकिन बाइक से गिर गया। चोट लगने पर उसे इलाज के लिए सीएचसी लैलूंगा भेजा गया।

इसके बाद पुलिस टीम ने बोलेरो की तलाश जारी रखी। कुछ देर बाद सफेद रंग की बोलेरो

पाकरगांव की तरफ से लैलूंगा की ओर आती दिखाई दी। पुलिस को देखकर चालक ने वाहन को दूसरी दिशा में भगाने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने घेराबंदी कर उसे रोक लिया।

पूछताछ में चालक ने अपना नाम जशवंत कुमार शर्मा (32), निवासी केशव नगर, थाना मडियाव, जिला लखनऊ, उत्तर प्रदेश बताया। वहीं वाहन में बैठी महिला ने अपना नाम ज्योति जाटव (23), निवासी आलमनगर, थाना तालकटोरा, जिला लखनऊ, उत्तर प्रदेश बताया। पूछताछ में दोनों ने ओडिशा से गांजा लेकर लखनऊ जाने की बात स्वीकार की।

पुलिस ने तलाशी ली तो ज्योति जाटव के पिट्ठू बैग से चार पैकेट में कुल 4.108 किलो गांजा मिला। इसकी कीमत करीब 2 लाख रुपए बताई गई है। पुलिस ने गांजा और करीब 8 लाख रुपए कीमत की बोलेरो समेत कुल 10 लाख रुपए का सामान जब्त किया है।

दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया गया। आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया। एसएसपी शशि मोहन सिंह ने कहा कि नशे के अवैध कारोबार से जुड़े लोगों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। तस्करी में शामिल आरोपियों को किसी भी स्थिति में बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने लोगों से नशे की तस्करी या इससे जुड़ी किसी भी गतिविधि की जानकारी पुलिस को देने की अपील की है। रायगढ़ पुलिस का ऑपरेशन आघात लगातार जारी है।

कोरबा में कबाड़ी के पास मिले 5 जिंदा कारतूस और पिस्टल

श्रीकंचनपथ समाचार

कोरबा। कोरबा जिले में अवैध कबाड़ कारोबार के बीच हथियार मिलने का मामला सामने आया है। कोतवाली पुलिस ने कबाड़ी प्रहलाद साहू के पास से 5 जिंदा कारतूस और एक पुरानी पिस्टल बरामद की है। पुलिस ने हथियार और कारतूस जब्त कर आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है।

कोरबा सीएसपी प्रतीक चतुर्वेदी के मुताबिक, पुलिस को सूचना मिली थी कि कबाड़ी प्रहलाद साहू के यहां से निकली कबाड़ की गाड़ी में जिंदा कारतूस और पिस्टल रखी हुई है। सूचना के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और गाड़ी की तलाशी ली।

तलाशी के दौरान कबाड़ के सामान के बीच 5 जिंदा राउंड और एक पुरानी जंग लगी पिस्टल मिली। पुलिस ने दोनों को

जब्त कर लिया। पुलिस ने प्रहलाद साहू के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज किया है। वहीं कबाड़ के सामान को लेकर बीएनएसएस की धारा 106 के तहत कार्रवाई की गई है। अब पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि पिस्टल और कारतूस कबाड़ में कैसे पहुंचे और इन्हें किसने वहां रखा था।

इस कार्रवाई के बाद जिले के दूसरे कबाड़ी संचालकों में भी हड़कंप मच गया है। हालांकि, स्थानीय सूत्रों का दावा है कि कार्रवाई के बावजूद जिले में चोरी के सामान, लोहे और फैक्ट्री स्क्रैप के अवैध कारोबार पर पूरी तरह रोक नहीं लग सकी है।

पुलिस पहले भी अवैध कबाड़ भंडारण और चोरी का सामान खरीदने के मामलों में कई कबाड़ियों पर कार्रवाई कर चुकी है। इसके बावजूद यह कारोबार जारी रहने की शिकायतें सामने आती रही हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि पुलिस को जिले की सीमावर्ती जगहों के साथ औद्योगिक क्षेत्रों से निकलने वाले स्क्रैप पर भी नजर रखनी चाहिए। खासकर एनटीपीसी, बालको और एसईसीएल से निकलने वाले कबाड़ की जांच जरूरी है, क्योंकि स्क्रैप में कई बार संदिग्ध या खतरनाक सामग्री मिलने की आशंका रहती है।

एक करोड़ की ज्वेलरी उठाने वाले गिरोह का सदस्य ओडिशा से गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ समाचार

सरगुजा। सरगुजा जिला के सीतापुर में ज्वेलर्स कारोबारी से करीब एक करोड़ रुपये के सोने-चांदी के आभूषणों से भरा बैग उठाने के मामले में सरगुजा पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने वारदात में शामिल एक आरोपी को ओडिशा के गंजाम जिले से गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से 10 हजार रुपये नगद बरामद हुए हैं। इससे पहले पुलिस ने गिरोह के एक अन्य आरोपी के घर से करीब 46 लाख रुपये कीमत के सोने-चांदी के जेवर बरामद किए थे। मामले में फरार अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

जानकारी के मुताबिक घटना 26 जुलाई की सुबह करीब 11.30 बजे की है, जब सीतापुर निवासी अरुणदेव सोनी हाईस्कूल के पास स्थित अपनी कांशी विश्वनाथ ज्वेलर्स दुकान खोलने पहुंचे थे। उन्होंने जेवरों से भरा बैग स्कूटी पर रखा और दुकान का शटर खोलने लगे। इसी दौरान अज्ञात आरोपी स्कूटी के पास रखा बैग लेकर फरार हो गए। शिकायत पर सीतापुर थाने में अपराध दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की। जांच के दौरान घटनास्थल से लेकर आरोपियों के संभावित भागने वाले मार्गों के करीब 500 सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए। पुलिस ने फुटेज के आधार पर आरोपियों का पीछा करते हुए उनका रूट सरगुजा से जशपुर के कांसाबेल, कुनकुरी और सिंगीबहार, झारखंड के कुरडेग, खैरनटोली, सिमडेगा होते हुए ओडिशा के सुंदरगढ़ और गंजाम तक ट्रैक किया। तकनीकी विश्लेषण और दूसरे राज्यों की पुलिस से समन्वय के बाद संदिग्धों की पहचान चंटी दास और दास नागेश्वर के रूप में हुई। ओडिशा पुलिस के सहयोग से संयुक्त टीम ने करीब दस दिनों तक आरोपियों के संभावित ठिकानों पर अभियान चलाया। इसी दौरान चंटी दास के घर की तलाशी में 300.92 ग्राम सोने के आभूषण, जिनकी कीमत करीब 43 लाख रुपये, तथा 1.168 किलो चांदी के आभूषण, कीमत करीब तीन लाख रुपये, बरामद किए गए।

मां और पत्नी से विवाद कर रहे युवक को भेजा गया जेल

तिल्दा-नेवरा। ग्राम तुलसी-मानपुर में मां और पत्नी से विवाद कर रहे युवक को तिल्दा-नेवरा पुलिस ने शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। 21 अगस्त को सूचना मिली थी कि एक युवक घर में अपनी मां और पत्नी से जबरन विवाद और मारपीट कर रहा है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को समझाइश देने का प्रयास किया, लेकिन वह उग्र होकर मारपीट पर उतारू होने लगा। स्थिति बिगड़ने की आशंका को देखते हुए पुलिस ने कमलेश सोनवानी (30), निवासी वार्ड क्रमांक 5 ग्राम मानपुर (तुलसी), जिला रायपुर को धारा 170 बीएनएसएस के तहत गिरफ्तार किया। पुलिस ने उसे एसडीएम न्यायालय तिल्दा-नेवरा में पेश किया। अनुविभागीय दंडाधिकारी ने मामले में जेल वारंट जारी किया, जिसके बाद पुलिस ने युवक को जेल भेज दिया।

खास खबर

साय के नेतृत्व में आत्मनिर्भर बन रहीं बिहान की महिलाएं

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार स्व-सहायता समूहों के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बना रही है। इसी कड़ी में रायगढ़ जिले के ग्राम सियारपाली की सावित्री राणा इसकी प्रेरक मिसाल हैं। बिहान योजना से जुड़ने से पहले गृहणी रहीं सावित्री ने कृष्णा स्व-सहायता समूह और जागृति ग्राम संगठन से जुड़कर मिट्टी के दीये, मटके, गमले, गुल्लक सहित विभिन्न वस्तुएं बनाना शुरू किया। उन्हें आरएफ से 4 हजार और सीआईएफ से 8 हजार रुपये का सहयोग मिला। इसके बाद बैंक से 30 हजार और 20 हजार रुपये का ऋण लेकर व्यवसाय बढ़ाया। उन्होंने 1 लाख रुपये का बैंक ऋण लिया है, जिसमें 30 हजार रुपये शेष हैं। कुम्हारी व्यवसाय से उनकी मासिक आय 8 से 9 हजार रुपये तक पहुंच गई है।

जल संचय जन भागीदारी 2.0 में रायगढ़ की बड़ी उपलब्धि

रायगढ़। जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन एवं भू-जल संवर्धन को जनभागीदारी के माध्यम से जनआंदोलन का स्वरूप देने की दिशा में रायगढ़ जिले ने जल संचय जन भागीदारी (जेएसजेबी) 2.0 के अंतर्गत उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। 27 मई 2026 की रिपोर्ट के अनुसार जिले में विभिन्न विभागों एवं संस्थाओं द्वारा कुल 31,157 जल संरक्षण एवं जल संवर्धन कार्य दर्ज किए गए हैं। इनमें से 29,947 कार्य पूर्ण हो चुके हैं तथा 1,210 कार्य प्रगतिरत हैं। यह उपलब्धि जिले में जल संरक्षण के प्रति विभागीय समन्वय, ग्राम स्तर पर कार्यों के प्रभावी क्रियान्वयन तथा जनभागीदारी की मजबूत भावना को प्रदर्शित करती है। जेएसजेबी 2.0 के अंतर्गत जिला पंचायत, वन, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, कृषि, उद्योग, नगरीय निकाय एवं जल संसाधन विभाग सहित विभिन्न विभागों ने जल संरक्षण एवं भू-जल संवर्धन के कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कंवर समाज के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों के शपथ ग्रहण कार्यक्रम में मुख्यमंत्री साय ने कहा

भावी पीढ़ी को शिक्षित करना हम सभी की साझी जिम्मेदारी

- 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत मुख्यमंत्री ने लगाया सिंदूर का पौधा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। शिक्षा समाज के विकास का मूल मंत्र है। किसी भी समाज की प्रगति उसकी भावी पीढ़ी को मिलने वाली शिक्षा, संस्कार और अवसरों पर निर्भर करती है। समाज का कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे और प्रत्येक बच्चे की प्रतिभा को आगे बढ़ने का अवसर मिले, यह हम सभी की साझा जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर स्थित इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कृषक सभागार में आयोजित छत्तीसगढ़ प्रदेश कंवर समाज विकास समिति के प्रदेश अध्यक्ष सहित नवनिर्वाचित पदाधिकारियों के शपथ ग्रहण एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि कंवर समाज का इतिहास गौरवशाली रहा है। संत गहिरा गुरु जैसे महान संतों और समाज के पुरोधाओं ने शिक्षा, संस्कार, सेवा और सामाजिक एकता का जो मार्ग दिखाया है, उसी पर आगे बढ़ते हुए नई पीढ़ी के उज्ज्वल भविष्य के लिए मिलकर काम करना होगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को सामाजिक सेवा और अपने दायित्वों के निष्ठापूर्वक निर्वहन की शपथ दिलाई। कार्यक्रम के प्रारंभ में उन्होंने प्रकृति शक्ति तथा कंवर समाज के पुरोधाओं को नमन किया। इस अवसर पर समाज के युवक-युवतियों ने आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि समाज द्वारा सौंपा गया दायित्व समाज को आगे ले जाने का अवसर है। उन्होंने कहा कि सभी पदाधिकारी निष्ठा, समर्पण और सामूहिक भावना के साथ समाज के शैक्षणिक, सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक उत्थान के लिए कार्य करें।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि कंवर समाज के पदाधिकारियों का पूरा निर्वाचन निर्विरोध और सर्वसम्मति से संपन्न होना समाज की एकता और संगठन की मजबूती का प्रमाण है। समाज की यही एकजुटता उसकी सबसे बड़ी शक्ति है और इसे आने वाली पीढ़ियों तक और मजबूत बनाकर पहुंचाना होगा। उन्होंने स्मरण किया कि एक समय कंवर समाज अलग-अलग इकाइयों में बंटा हुआ था, लेकिन वरिष्ठजनों और समाज के पुरोधाओं के प्रयासों से सभी को एक सूत्र में जोड़ा गया। उन्होंने महाराष्ट्र से आए कंवर समाज के प्रतिनिधियों और सगा-बंधुओं का भी छत्तीसगढ़ में आत्मीय स्वागत किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने समाज के प्रबुद्धजनों से शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का आह्वान करते हुए कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल शासकीय नौकरी प्राप्त करना नहीं है। एक सफल उद्यमी, व्यापारी, समाजसेवी, जनप्रतिनिधि, उद्योगपति और जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए भी अच्छी शिक्षा आवश्यक है। शिक्षा व्यक्ति को निर्णय लेने की क्षमता देती है और समाज को प्रगति की दिशा दिखाती है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार बच्चों और युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तथा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए बेहतर अवसर उपलब्ध करा रही है। प्रदेश में 17 प्रयास विद्यालय संचालित किए जा रहे हैं। समाज के सक्षम और प्रबुद्ध लोगों की भी जिम्मेदारी है कि वे जरूरतमंद परिवारों के बच्चों की शिक्षा में सहयोग करें और प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें।

मुख्यमंत्री ने बताया कि तेंदूपत्ता संग्राहकों के हित में चरण पादुका योजना पुनः प्रारंभ की गई है और तेंदूपत्ता संग्रहण पारिश्रमिक 4 हजार रुपए से बढ़ाकर 5 हजार 500 रुपए प्रति मानक बोरा किया गया है। प्रदेश के लगभग भूमिहीन कृषि मजदूरों को प्रतिवर्ष 10 हजार रुपए की सहायता दी जा रही है। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना से बुजुर्गों की तीर्थयात्रा की इच्छा पूरी की जा रही है। श्री रामलला दर्शन योजना के माध्यम से पिछले ढाई वर्षों में 50 हजार से अधिक श्रद्धालु अयोध्या में प्रभु श्रीराम के दर्शन कर चुके हैं।

प्राकृतिक संसाधन बनेंगे छत्तीसगढ़ की ताकत

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ खनिज, वन और प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर राज्य है। प्रदेश में आयरन ओर, कोयला, बॉक्साइट, लिथियम, टिन, सोना और हीरा जैसे बहुमूल्य खनिज संसाधन उपलब्ध हैं। बस्तर की वनोपज के वैल्यू एडिशन पर विशेष जोर दिया जा रहा है, जिससे स्थानीय लोगों की आय बढ़े और रोजगार के नए अवसर तैयार हों। पिछले ढाई वर्षों में 11 हजार करोड़ रुपए से अधिक की नई सिंचाई परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई है। विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प को साकार करने के लिए सरकार पूरी प्रतिबद्धता से काम कर रही है और इस अभियान में समाज के प्रत्येक वर्ग का योगदान महत्वपूर्ण है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे पूर्व राज्यसभा सांसद नंदकुमार साय ने कहा कि कंवर समाज छत्तीसगढ़ की जनजातीय समाज व्यवस्था का महत्वपूर्ण घटक है। शिक्षा समाज और प्रदेश की प्रगति का आधार है। कोई भी बालक-बालिका शिक्षा से वंचित न रहे, इसके लिए समाज को सामूहिक प्रयास करना होगा। उन्होंने कहा कि कंवर समाज सहित प्रदेश की 42 जनजातियों का छत्तीसगढ़ के विकास में महत्वपूर्ण योगदान है। समाज को शैक्षणिक, आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक सभी क्षेत्रों में आगे बढ़ाने के लिए संगठित होकर कार्य करने की आवश्यकता है।

जनजातीय समाज का सम्मान और विकास सरकार की प्राथमिकता

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि जनजातीय समाज की बेटी श्रीमती द्रौपदी मुर्मु का राष्ट्रपति के रूप में विराजमान होना पूरे जनजातीय समाज के लिए गौरव का विषय है। पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी ने जनजातीय समाज के विकास को नई दिशा देने के लिए अलग जनजातीय कार्य मंत्रालय का गठन किया। छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माण का श्रेय भी श्रद्धेय अटल जी को जाता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जनजातीय अंचलों में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार और जनजातीय परिवारों के जीवन स्तर में सुधार के लिए अभूतपूर्व कार्य किए जा रहे हैं। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत छत्तीसगढ़ के 6 हजार 661 गांवों को शामिल किया गया है। विशेष पिछड़ी जनजातियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रधानमंत्री जनमन योजना के माध्यम से सड़क, आवास, बिजली, राशन कार्ड और नल से जल जैसी मूलभूत सुविधाएं पहुंचाई जा रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पीएम जनमन के अंतर्गत देशभर में बन रही लगभग 4 हजार किलोमीटर सड़कों में से 2 हजार किलोमीटर से अधिक सड़कें छत्तीसगढ़ में बन रही हैं। विशेष पिछड़ी जनजातियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के लिए 57 एंबुलेंस की व्यवस्था की गई है। स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर पहुंचकर स्वास्थ्य परीक्षण और उपचार की सुविधा दे रही हैं।

मोदी की गारंटी से जनकल्याण को मिली नई गति

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार ने पिछले ढाई वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी के अंतर्गत किए गए वादों को तेजी से पूरा करने का प्रयास किया है। सरकार गठन के दूसरे ही दिन 18 लाख प्रधानमंत्री आवासों की स्वीकृति दी गई। प्रदेश में प्रतिदिन लगभग 1600 आवास बनाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि किसानों से किए गए वादे के अनुरूप 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से तथा प्रति एकड़ 21 क्विंटल तक धान खरीदी की जा रही है। महतारी वंदन योजना के माध्यम से लगभग 70 लाख माताओं-बहनों को प्रतिमाह एक हजार रुपए की आर्थिक सहायता दी जा रही है और अब तक 19 हजार करोड़ रुपए से अधिक की राशि उनके खातों में अंतरित की जा चुकी है।

नक्सलवाद से मुक्त हो रहे बस्तर में विकास की नई सुबह

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बस्तर का एक बड़ा भू-भाग चार दशकों से अधिक समय तक नक्सलवाद की त्रासदी के कारण विकास की मुख्यधारा से पीछे रहा। नक्सलवाद के उन्मूलन की दिशा में ऐतिहासिक सफलता मिली। जिन क्षेत्रों में कभी विकास कार्य चुनौतीपूर्ण थे, आज वहां सड़क, बिजली, पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य और संचार जैसी बुनियादी सुविधाएं तेजी से पहुंच रही हैं। नियद नेल्लानार योजना के माध्यम से ढाई वर्षों में 500 से अधिक गांवों तक बुनियादी सुविधाओं का विस्तार किया गया है। 34 लाख लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया और गंभीर अथवा लंबे समय से बीमार 40 हजार से अधिक लोगों को रेफर किया गया है। बस्तर में शिक्षा, रोजगार, स्वरोजगार और उद्यमिता के नए अवसर भी खुल रहे हैं।

निशा द्विवेदी की पुस्तक 'महतारी वंदन अभिनंदन' का मुख्यमंत्री ने किया विमोचन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में पत्रकार निशा द्विवेदी द्वारा लिखित पुस्तक 'महतारी वंदन अभिनंदन' का विमोचन किया। दो भागों में प्रकाशित इस पुस्तक में महतारी वंदन योजना से लाभान्वित महिलाओं के जीवन में आए सकारात्मक बदलावों, उनके अनुभवों और आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ते कदमों को संकलित किया गया है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने पुस्तक के प्रकाशन पर पत्रकार सुश्री निशा द्विवेदी को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि महतारी वंदन योजना ने प्रदेश की महिलाओं को नियमित आर्थिक संबल देने के साथ उनके आत्मविश्वास और परिवार के निर्णयों में उनकी भूमिका को भी मजबूत किया है। यह योजना महिला सशक्तीकरण की दिशा में राज्य सरकार की महत्वपूर्ण पहल है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि महतारी वंदन योजना के अंतर्गत महिलाओं को प्रतिमाह मिलने वाली राशि उनकी छोटी-बड़ी जरूरतों को पूरा करने में सहायक बन रही है। अनेक महिलाएं इस राशि का उपयोग बच्चों की पढ़ाई, पोषण, स्वास्थ्य, घरेलू आवश्यकताओं और बचत के लिए कर रही हैं। नियमित रूप से अपने खाते में राशि मिलने से महिलाओं में आर्थिक सुरक्षा और आत्मनिर्भरता का भाव मजबूत हुआ है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी जनकल्याणकारी योजना की वास्तविक सफलता उसके लाभार्थियों के जीवन में दिखाई देने वाले परिवर्तन से मापी जाती है। 'महतारी वंदन अभिनंदन' में योजना से जुड़ी महिलाओं के अनुभवों को सामने लाने का प्रयास किया गया है। इस तरह की पुस्तकें शासन की योजनाओं के सामाजिक प्रभाव को समझने के साथ भविष्य के लिए महत्वपूर्ण दस्तावेज भी बनती हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की गारंटी के अनुरूप छत्तीसगढ़ में महतारी वंदन योजना प्रारंभ की गई।

कांवड़ यात्रा आस्था, भक्ति और समर्पण का प्रतीकः अग्रवाल

अम्बिकापुर। पावन श्रावण मास में भगवान भोलेनाथ की भक्ति में श्रद्धालुओं का उत्साह चरम पर है। इसी क्रम में रामगढ़ से कैलाश गुफा की ओर कांवड़ यात्रा पर निकले श्रद्धालुओं का छत्तीसगढ़ शासन के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने आत्मीय स्वागत एवं सत्कार किया। उन्होंने कांवड़ यात्रियों से मुलाकात कर उनकी यात्रा के संबंध में जानकारी ली और सभी श्रद्धालुओं को सुखद, सुरक्षित एवं सफल यात्रा के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि श्रावण मास में निकलने वाली कांवड़ यात्रा केवल धार्मिक यात्रा नहीं, बल्कि आस्था, भक्ति, तपस्या और समर्पण की यात्रा है। भगवान शिव के प्रति श्रद्धालुओं की अटूट आस्था और विश्वास इस यात्रा में दिखाई देता है। कांवड़ यात्री कठिन परिस्थितियों और लंबी दूरी की चुनौतियों के बावजूद पूरे उत्साह एवं श्रद्धाभाव के साथ अपनी यात्रा पूरी करते हैं। यह यात्रा आध्यात्मिक ऊर्जा और भगवान भोलेनाथ से पूरी होती है।

संस्कृति विभाग छत्तीसगढ़ शासन की अभिनव प्रस्तुति

'पावस प्रसंग' का समापन, शास्त्रीय नृत्य एवं संगीत से साकार हुई वर्षा ऋतु की मनोहारी छटा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। संस्कृति विभाग, छत्तीसगढ़ शासन द्वारा भारतीय शास्त्रीय कला परंपरा और वर्षा ऋतु के सौंदर्य को समर्पित शास्त्रीय नृत्य एवं संगीत कार्यक्रम 'पावस प्रसंग' का गरिमामय आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कलाकारों ने अपने नृत्य, संगीत और भावाभिव्यक्ति के माध्यम से वर्षा ऋतु के विविध रंगों, प्रकृति के उल्लास, मन के भावों और पावस से जुड़े सौंदर्यबोध को जीवंत कर दिया। शास्त्रीय कलाओं की मनोहारी प्रस्तुतियों ने उपस्थित दर्शकों को वर्षा की रिमझिम फुहारों, प्रकृति की हरियाली और पावस के भावलोक का सजीव अनुभव कराया।

कार्यक्रम में राजभाषा आयोग के अध्यक्ष प्रभात मिश्रा ने वर्षा ऋतु की विशेषताओं को अभिव्यक्त करती सुमित्रानंदन पंत की कविता का भावपूर्ण पाठ किया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ वर्षा के दृष्टिकोण से अत्यंत समृद्ध प्रदेश है। प्रदेश की कृषि व्यवस्था सहित जनजीवन की अनेक गतिविधियां वर्षा पर निर्भर हैं। वर्षा प्रकृति को नवजीवन प्रदान करती है और इसके बिना हरियाली, कृषि समृद्धि तथा प्रकृति की जीवंतता की कल्पना कठिन है।

श्री मिश्रा ने कहा कि वर्षा और प्रकृति के इस गहरे संबंध को भारतीय साहित्य, संगीत और नृत्य परंपरा ने सदियों से अपने-अपने ढंग से अभिव्यक्त किया है। भारतीय शास्त्रीय कलाओं में ऋतुओं और प्रकृति के विविध रूपों का विशेष स्थान रहा है। इसी सांस्कृतिक परंपरा को केंद्र में रखकर आयोजित 'पावस प्रसंग' वर्षा ऋतु के सौंदर्य, संवेदना और सांस्कृतिक महत्ता को जनमानस तक पहुंचाने का सार्थक प्रयास है।

'पावस प्रसंग' में कलाकारों की प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम को भावपूर्ण और आकर्षक बना दिया। सुश्री आराध्या कुमारी सिंह ने शास्त्रीय गायन की प्रस्तुति देकर पावस ऋतु के भावों को सुरों में पिरोया। उनके गायन ने वातावरण को संगीत की मधुरता से भर दिया।

सुश्री ताक्षवी गौतम ने ओडिसी नृत्य की प्रस्तुति के माध्यम से वर्षा ऋतु की भाव-भंगिमाओं और प्रकृति के सौंदर्य

को साकार किया। वहीं तरुण शर्मा एवं साथी कलाकारों ने कथक नृत्य की प्रस्तुति देकर ताल, लय, भाव और पद-संचालन का सुंदर समन्वय प्रस्तुत किया। सुश्री आँचल पांडेय ने भी ओडिसी नृत्य की मनोहारी प्रस्तुति से दर्शकों की खूब सराहना प्राप्त की। प्रस्तुतियों ने पावस ऋतु के विविध भावों और रंगों को मंच पर सजीव रूप प्रदान किया।

'पावस प्रसंग' केवल वर्षा ऋतु के सौंदर्य को कला के माध्यम से प्रस्तुत करने वाला कार्यक्रम नहीं रहा, बल्कि यह प्रदेश की कला एवं सांस्कृतिक परंपराओं को संरक्षण और संवर्धन देने के साथ कलाकारों को मंच उपलब्ध कराने की दिशा में भी महत्वपूर्ण पहल के रूप में सामने आया। ऐसे आयोजनों से शास्त्रीय नृत्य एवं संगीत के कलाकारों को अपनी साधना, प्रतिभा और रचनात्मकता को दर्शकों के समक्ष प्रस्तुत करने का अवसर मिलता है।

कार्यक्रम के माध्यम से भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं में प्रकृति और ऋतुओं के महत्व को भी रेखांकित किया गया। वर्षा ऋतु भारतीय लोकजीवन, साहित्य, संगीत और नृत्य में सदैव प्रेरणा का स्रोत रही है। 'पावस प्रसंग' ने इसी समृद्ध परंपरा को आधुनिक मंच पर प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ संस्कृति विभाग के संचालक डॉ. संजय कनौजे की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ। इस अवसर पर उप संचालक उमेश मिश्रा, उदय सिंह चौहान, वरिष्ठ साहित्यकार अरविंद मिश्रा, वरिष्ठ पत्रकार दीपेंद्र दीवान, वरिष्ठ कलाकार रिखी क्षत्रिय एवं विजय मिश्रा सहित कला एवं साहित्य जगत से जुड़े गणमान्यजन उपस्थित रहे।

डॉ. कनौजे ने कहा कि 'पावस प्रसंग' के माध्यम से वर्षा ऋतु से जुड़े सौंदर्यबोध, प्रकृति के प्रति संवेदना और भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं को आमजन तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कला प्रेमियों और आम नागरिकों से ऐसे सांस्कृतिक आयोजनों में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कलाकारों का उत्साहवर्धन करने का आग्रह किया।

पावस के रंगों में रंगा सांस्कृतिक मंच

'पावस प्रसंग' में शास्त्रीय गायन की मधुरता, ओडिसी की भावपूर्ण भंगिमाओं और कथक की ताल-लय ने मिलकर ऐसा वातावरण निर्मित किया, जिसमें वर्षा ऋतु केवल प्रकृति की घटना न रहकर संगीत, नृत्य, साहित्य और संवेदना का उत्सव बन गई। कलाकारों की प्रस्तुतियों ने दर्शकों को पावस के सौंदर्य से जोड़ते हुए भारतीय शास्त्रीय कला परंपरा की समृद्ध विरासत का अनुभव कराया।

प्रकृति और संस्कृति एक-दूसरे से गहराई से जुड़ी हुई हैं। वर्षा की बूंदों से लेकर खेतों की हरियाली और मनुष्य के भावों तक, पावस जीवन के अनेक रंगों को अपने भीतर समेटे हुए है। संस्कृति विभाग का यह आयोजन इन्हीं रंगों को शास्त्रीय कला के माध्यम से मंच पर साकार करने का सुंदर प्रयास रहा।

30 किस्तों में 19444.33 करोड़ की राशि खातों में अंतरित

राखी से पहले विष्णु भैया ने दिया महतारी वंदन का तोहफा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। रक्षाबंधन के पावन पर्व से पहले छत्तीसगढ़ की बहनों को मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने महतारी वंदन योजना की 30वीं किस्त के रूप में विशेष उपहार दिया है। 7 अगस्त 2026 को जारी 30वीं किस्त के साथ प्रदेश की पात्र महिलाओं के बैंक खातों में 19,444 करोड़ 33 लाख रुपये से अधिक की राशि अंतरित की जा चुकी है। रक्षाबंधन से पहले खाते में पहुंची यह राशि महिलाओं के लिए आर्थिक संबल के साथ पर्व की खुशियों को और बढ़ाने वाली सौगात बन गई है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व और महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के मार्गदर्शन में संचालित महतारी वंदन योजना अब महिलाओं के सम्मान, स्वाभिमान, आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता का मजबूत आधार बन चुकी है। योजना के तहत प्रतिमाह एक हजार रुपये की सहायता सीधे डीबीटी के माध्यम से महिलाओं के बैंक खातों में पहुंचाई जा रही है।

रक्षाबंधन भाई-बहन के स्नेह और विश्वास का पर्व है। इस बार पर्व से पहले महतारी वंदन की राशि मिलने से महिलाओं में विशेष उत्साह है। महिलाएं इस राशि से भाई के लिए राखी, मिठाई और उपहार खरीदने के साथ-साथ घर-परिवार की जरूरतों को पूरा करते हुए रक्षाबंधन का पर्व धूमधाम से मनाने की तैयारी कर रही हैं।

महिलाओं का कहना है कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रक्षाबंधन से पहले महतारी वंदन की राशि देकर बहनों की खुशियों को दोगुना कर दिया है। उनके लिए यह केवल एक हजार रुपये की मासिक सहायता नहीं, बल्कि अपने छोटे-बड़े फैसले स्वयं लेने का भरोसा और सम्मान का अहसास है।

सूरजपुर जिले की तेज कुमारी, श्रीमती मंजू रजवाड़े, श्रीमती पुनिया प्रजापति, श्रीमती शहनाज बेगम, श्रीमती गणेश्वरी प्रजापति, श्रीमती मेनका रजवाड़े और श्रीमती लता केंवट जैसी महिलाओं ने बताया कि महतारी वंदन की राशि से वे बच्चों की पढ़ाई, कॉपी-किताब, पौष्टिक भोजन और दैनिक जरूरतों को पूरा कर पा रही हैं। रक्षाबंधन के अवसर पर भी यह राशि उनके लिए उपयोगी साबित हो रही है।

महतारी वंदन योजना का सकारात्मक प्रभाव केवल घरेलू जरूरतों तक सीमित नहीं है। अनेक महिलाओं ने नियमित मिलने वाली राशि को बचाकर स्वरोजगार की नींव रखी है।

मुंगेली विकासखंड के ग्राम घुठेरा की अनीता गंधर्व ने महतारी वंदन से मिली राशि को बचाकर मुंगेली के पुराना बस स्टैंड क्षेत्र में मनिहारी एवं सिलाई दुकान शुरू की। आज वे प्रतिदिन 500 से 1,000 रुपये तक की आय अर्जित कर रही हैं और बच्चों की पढ़ाई तथा घरेलू खर्च में सहयोग कर रही हैं।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950